RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः77 , गुरुवार, 30 अप्रैल 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

लीचीपुरम उत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक, दो दिवसीय भव्य आयोजन का निर्णय 03

एनएसपीसी पोस्टर का सांसद ने किया लोकार्पण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश 04

रश्मिका मंदाना की मैसा का केरल शेड्यूल शुरू केचा मास्टर के निर्देशन... 07

संक्षिप्त समाचार

मोदी ने काशी विश्वनाथ में की पूजा, लहराया त्रिशूल

- 108 बटुकों ने शंखनाद किया, भाजपा कार्यकर्ता नाचते दिखे

वाराणसी (एजेंसी)। काशी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। उन्होंने गर्भगृह में 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की। पांच पंडितों ने उन्हें पूजा कराई, माला पहनाई और त्रिपुंड लगाया। पीएम मंदिर से बाहर निकले तो भाजपा नेताओं ने उन्हें त्रिशूल और डमरू भेंट किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने त्रिशूल उठाकर लहराया। पीएम 14 किलोमीटर लंबा रोड शो करते हुए

विश्वनाथ मंदिर पहुंचे थे। गेट पर 108 बटुकों ने शंखनाद के साथ उनका स्वागत किया। मंदिर में पीएम बच्चों से भी मिले और उनसे बातचीत की। इससे पहले, पीएम के रोड शो के दौरान भाजपा कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों पर डांस करते नजर आए। प्रधानमंत्री का जगह-जगह स्वागत किया गया। काफिले पर फूल बरसाए गए। पीएम ने हाथ हिलाकर अभिवादन किया। हालांकि, वह कहीं रुके नहीं। काशी से पीएम हरदोई के लिए रवाना हो गए। वहां उन्होंने गंगा एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस-वे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ेगा। प्रधानमंत्री का 11 साल में यह 54वां काशी दौरा है। हालांकि, यह 2026 का पहला दौरा है।

ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य

- परिवहन मंत्री बोले-सभी चालकों को भाषा सीखने का मौका मिलेगा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए मराठी सीखना अनिवार्य होगा, हालांकि लाइसेंस वाले ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को राहत दी गई है। मराठी नहीं जानने पर तत्काल लाइसेंस रद्द करने के नियम को सरकार ने रोक दिया है। प्रदेश सरकार के मंत्री प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को बताया कि महाराष्ट्र परिवहन विभाग एक मई से 15 अगस्त तक विशेष सत्यापन अभियान शुरू करेगा, ताकि राज्य में ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी अनिवार्य बनाने के निर्णय का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। मंत्री ने स्पष्ट किया कि आटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी

अनिवार्य करने का नियम लागू हो रहा है, लेकिन तुरंत लाइसेंस रद्द करने के बजाय ड्राइवरों को मराठी सिखाने के लिए प्रशिक्षित करने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि आटो और टैक्सी यूनियनों के प्रतिनिधियों ने इस निर्णय को पूर्ण समर्थन दिया है। राज्य के सभी 59 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों (आरटीओ) में अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रविंद्र गायकवाड़ की अध्यक्षता वाली समिति की निगरानी में अभियान अभियान चलाया जाएगा। ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए आरटीओ कार्यालयों में सुविधाएं दी जाएंगी।

विधानसभा चुनाव 2026: एग्जिट पोल

बंगाल- असम में भाजपा, तमिलनाडु में डीएमके की वापसी, केरल में 10 साल बाद डीएफ सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए एग्जिट पोल के नतीजे सामने आ गए हैं। चुनाव के परिणाम 4 मई को आएंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए दो चरणों में मतदान संपन्न हो चुका है। दो चरणों में हुए मतदान में पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों पर रिकॉर्ड 92.88 फीसदी मतदान हुआ। दूसरे चरण में 7 जिलों की 142 सीटों पर भी रिकॉर्ड 90 प्रतिशत मतदान हुआ है। अब तक आए 6 एग्जिट पोल में से 5 एग्जिट पोल में बीजेपी को पूर्ण बहुमत मिलता हुआ दिख रहा है तो वहीं सिर्फ एक एग्जिट पोल में टीएमसी को बढ़त है।

छह सर्वे में भाजपा को बहुमत, दो में तृणमूल की वापसी का दावा- पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल के नतीजे बेहद दिलचस्प और चौंकाने वाले हैं। सामने आए आठ प्रमुख सर्वे में से छह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्ण बहुमत के साथ राज्य में अपनी पहली सरकार बनाती दिख रही है। पुदुचेरी विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल में एनडीए गठबंधन ने पूरी तरह से बाजी मार ली है। बंगाल में जहां पांच एग्जिट पोल्स में भाजपा आगे है, वहीं पुदुचेरी के सभी पांच प्रमुख सर्वे में एनडीए भारी बहुमत के साथ सरकार बनाता दिख रहा है।

तमिलनाडु में द्रमुक को भारी बढ़त

एग्जिट पोल के आंकड़ों के आधार पर, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में द्रमुक गठबंधन को भारी बढ़त मिलती दिख रही है।

- मैट्रिज- इस एजेंसी के अनुसार, सत्ताधारी द्रमुक गठबंधन को 122 से 132 सीटें मिल सकती हैं। एनडीए 87 से 100 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रह सकता है।
- पीपल्स पल्स- इस सर्वे में द्रमुक गठबंधन को 125 से 145 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। एनडीए को 65 से 80 सीटें मिल सकती हैं। टीवीके को यहां सबसे ज्यादा 18 से 24 सीटें मिलने की संभावना है।
- चाणक्य स्ट्रैटजी- इसके मुताबिक, द्रमुक+ को 145 से 160 सीटों के साथ बड़ी जीत मिल सकती है। एनडीए को 50 से 65 सीटों तक ही सीमित रहना पड़ सकता है।
- प्रजा पोल- इसके अनुसार, द्रमुक+ 148 से 168 सीटें जीतकर सबसे आगे रह सकता है।

पश्चिम बंगाल एग्जिट पोल

एजेंसी	तृणमूल+	भाजपा	अन्य
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
चाणक्य स्ट्रैटजीज	130-140	150-160	6-10
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-0
पीपल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पी- मार्क्यू	118-138	150-175	2-6
जनमत पोल्स	195-205	80-90	4-9
जेवीसी	131-152	138-159	2-4

पुदुचेरी एग्जिट पोल 2026

एजेंसी	एनडीए	कांग्रेस+	टीवीके+	अन्य
पीपल्स पल्स	16-19	10-12	0-0	1-2
एक्सिस माय इंडिया	16-20	6-8	-	3-7
प्रजा पोल	19-25	6-10	0-0	0-0
कामाख्या एनालिटिक्स	17-24	4-7	1-2	0-1
जेवीसी	15-17	11-13	1-2	0-1

दिन के साथ अब रातें भी बरसा रही हैं आग

- गर्मी का डबल असर, आईएमडी की चेतावनी

कई राज्यों में तापमान पहुंचा 45 डिग्री के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में इस समय तेज गर्मी का प्रकोप जारी है और कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है। इसको लेकर भारत मौसम विभाग ने व्यापक अलर्ट जारी किया है। लेकिन इस बार चिंता सिर्फ दिन की तेज गर्मी को लेकर नहीं है, बल्कि रातें भी असामान्य रूप से गर्म हो रही हैं। इससे शरीर को ठंडा होने का समय नहीं मिल पा रहा है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में गर्म रात की स्थिति बनी रह सकती है, जहां न्यूनतम तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। दिल्ली में अप्रैल महीने के दौरान रात का तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया है। यह हाल के वर्षों के औसत और लंबे समय के औसत दोनों से ऊपर रहा है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने ज्यादातर दिनों में न्यूनतम तापमान 2020-2025 के औसत और 1991-2020 के सामान्य स्तर से ज्यादा रहा। अप्रैल के मध्य से ही रातें ज्यादा गर्म होने लगीं। 29 अप्रैल को तापमान करीब 28.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि 18 से 29 अप्रैल के बीच लगभग हर दिन तापमान सामान्य से ऊपर रहा।

देश के कई हिस्सों में बढ़ा असर

यह स्थिति केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। देशभर में कम से कम 17 स्थानों पर रात का तापमान सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश के उमरिया में तापमान 7.7 डिग्री, राजस्थान के फलोदी में 7.6 डिग्री और उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में 6.1 डिग्री सेल्सियस तक सामान्य से अधिक रहा। इसके अलावा अमृतसर, हिसार, रोहतक, चित्रकूट, सतना और सुंदरगढ़ जैसे इलाकों में भी रात का तापमान काफी ज्यादा रहा। मौसम विभाग के अनुसार, लगातार गर्म रातें शरीर पर ज्यादा दबाव डालती हैं। इससे हीट स्ट्रेस बढ़ता है, भले ही दिन का तापमान थोड़ा कम हो जाए। जब रात में भी गर्मी बनी रहती है, तो शरीर को ठंडा होने का समय नहीं मिलता, जिससे बुजुर्गों, मजदूरों और खराब वेंटिलेशन वाले घरों में रहने वालों के लिए खतरा बढ़ जाता है। मौसम विभाग के 2026 के पूर्वानुमान के मुताबिक, देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा न्यूनतम तापमान बना रह सकता है, यानी आने वाले समय में रातें भी गर्म रहने की संभावना है।

दूसरे दौर में बंगाल में शाम 5 बजे तक 90 प्रतिशत वोटिंग

टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग खत्म हो गई है। शाम 5 बजे तक 89.99 प्रतिशत वोटिंग हुई। यह आकंड़ा और बढ़ सकता है। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएमसे छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं।नॉर्थ 24 परगना के अरविंद रैली में टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प हुई। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को दौड़ा-दौड़ाकर मुक्के, लाठियों से हमले किए। भारी संख्या में सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद हालात बेकाबू दिखे। सीएम ममता ने सीआरपीएफ पर टीएमसी समर्थकों और वोटरों से मारपीट का आरोप लगाया। ममता ने कहा कि सीआरपीएफ ने हमारे कई लोगों को गिरफ्तार किया है। वोटरों और सेंट्रल ऑब्सर्वर लोगों को मार रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। टीएमसी ने आरोप लगाया कि सीआरपीएफ के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि बुजुर्ग अपने बेटे के साथ वोट डालने गए थे। केंद्रीय बलों ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट की। बुजुर्ग को अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

ईवीएम में भाजपा के बटन पर लगा मिला टेप, बवाल

- बंगाल में जमकर बवाल, वोटिंग रुकी, ईसी बोला-दावा सही तो दोबारा मतदान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाले फाल्टा में भाजपा ने ईवीएम पर भाजपा के विकल्प के सामने टेप लगे होने की शिकायत की है। इस पर, पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा है कि जिन पोलिंग बूथ पर किसी भी ईवीएम बटन पर टेप लगा पाया जाएगा, वहां दोबारा मतदान होगा। विवाद ज्यादा बढ़ने के बाद कई पोलिंग बूथों पर वोटिंग रोक दी गई है। सीईओ ने कहा,अगर किसी बटन पर टेप लगाए जाने की रिपोर्ट आती है, तो उसकी जांच की जानी चाहिए और उसे नोट किया जाना चाहिए। अगर यह सच पाया जाता है, तो उन बूथों पर दोबारा मतदान कराया जाएगा। इससे पहले आज, पश्चिम बंगाल में भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के दूसरे फेज के दौरान, डायमंड हार्बर के फाल्टा में कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को पार्टी के उम्मीदवार को चुनने से रोका गया।

ममता बनर्जी इसी चीज का बचाव कर रही थीं

मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ममता बनर्जी इसी चीज का बचाव कर रही थीं, जब उन्होंने जहांगीर खां के पक्ष में बात की थी। वह डायमंड हार्बर के फाल्टा से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ रहा एक अपराधी है। कई मतदान केंद्रों पर, भाजपा को वोट देने के विकल्प को टेप लगाकर ब्लॉक कर दिया गया है, जिससे मतदाताओं को अपनी पसंद का इस्तेमाल करने से प्रभावी रूप से रोका जा रहा है। यह तथाकथित डायमंड हार्बर मॉडल है।

पीएम ने सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का किया लोकार्पण

- अखिलेश पर बरसे, कहा-यूपी को गाली देने वालों के साथ खड़ी है सपा

हरदोई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को उत्तर प्रदेश के सबसे लंबे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। मेरठ से प्रयागराज तक बने 594 किलोमीटर लंबे इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने के बाद 12 घंटे का सफर अब सिर्फ 6 घंटे में पूरा किया जा सकेगा। यह एक्सप्रेस-वे 12 जिलों से गुजरेगा। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एक समय यूपी की पहचान गड्ढों से होती थी। पहले पड़ोस के जिलों तक जाना भी मुश्किल होता था। अब यूपी में 21 एयरपोर्ट हैं। इनमें 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। हमारा यूपी भगवान राम और भगवान कृष्ण की धरती है। पिछली सरकारों ने अपनी करतूतों के कारण यूपी को पिछड़ा बना दिया। माफिया के ऊपर फिल्में

बनती थीं। जिन सपाइयों के हाथ से सत्ता गई, उन्हें यूपी की प्रगति पसंद नहीं आ रही। प्रधानमंत्री ने कहा-समाजवादी पार्टी विकास विरोधी तो है ही, नारी विरोधी भी है। पिछले दिनों संसद में सपा और कांग्रेस ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को पास नहीं होने दिया। अगर ये बिल पास हो जाता तो यूपी से भारी संख्या में महिलाएं सांसद बनकर दिल्ली पहुंचती। सपा वाले संसद में यूपी वालों को गाली देने वाली पार्टियों के साथ खड़े हो जाते हैं। ये हमेशा अपराधियों के साथ खड़े रहते हैं।

पांच साल के भीतर बनकर तैयार हो गया एक्सप्रेसवे- पीएम मोदी ने कहा- दिसंबर 2021 में गंगा एक्सप्रेसवे का शिलान्यास करने मैं शाहजहांपुर आया था। देश के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में शुमार गंगा एक्सप्रेसवे पांच साल के भीतर बनकर तैयार हो गया है। इसके विस्तार की योजना पर भी काम शुरू हो गया है। जल्द ही गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से आगे बढ़कर हरिद्वार तक पहुंचेगा। फरुर्खाबाद लिंक के जरिये इसे अन्य एक्सप्रेसवे से भी जोड़ा जाएगा। ये है डबल इंजन के सरकार के काम करने का तरीका।

पहले सड़क बनने के लिए लोग दशकों करते थे इंतजार- प्रधानमंत्री ने कहा-कुछ ही दिन पहले मुझे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के लोकार्पण का मौका मिला था। ये एक्सप्रेसवे आधुनिक भारत की हस्तरेखाएं हैं। अब वह दौर चला गया जब एक सड़क के लिए दशकों तक इंतजार करना पड़ा।

आज ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें यूपी में बनती हैं

प्रधानमंत्री ने कहा-पहले यूपी को पिछड़ा और बीमारू प्रदेश कहा जाता था। आज यूपी एक ट्रिलियन इकॉनामी बनने जा रहा है। यूपी के युवाओं का इस्तेमाल हम अच्छी तरह से कर रहे हैं। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रहे हैं। जिस यूपी की पहचान पहले पलायन से होती है, उसे आज इन्वेस्ट यूपी के नाम से जाना जाता है। अगर भारत में सबसे ज्यादा मोबाइल बनते हैं तो यूपी का उसमें सबसे बड़ा योगदान है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी यूपी तेजी से स्थान बना रहा है। आज देश के दो डिफेंड कॉरीडोर में से एक यूपी में है। ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें आज यूपी में बनती हैं। अपने भाषण की शुरुआत में पीएम मोदी ने भगवान नरसिंह की भूमि को प्रणाम किया। उन्होंने कहा- यहां पास में मां गंगा बहती हैं। इसलिए ये पूरा क्षेत्र किसी तीर्थ से कम नहीं है। मैं मानता हूं कि यूपी को इतने एक्सप्रेसवे का वरदान मां गंगा का ही आशीर्वाद है।

हिंद महासागर में भारत-श्रीलंका का 'समुद्र मंथन'

चीन के खतरे के बीच अमृत निकालने की तैयारी

सहनशक्ति, सजगता और सामूहिक भलाई को बढ़ावा

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका और भारत ने एक बार फिर से हिंद महासागर की सुरक्षा के लिए एक द्विपक्षीय डाइविंग अभ्यास किया है। अभ्यास के चौथे संस्करण के जरिए दोनों देशों ने एक बार फिर अपने बढ़ते नौसैनिक सहयोग के बारे में बताया है। एक सप्ताह तक चले कार्यक्रम में दोनों देशों के गोताखोर, जहाज और कर्मी एक साथ आए जिसने न सिर्फ ऑपरेशनल कॉर्डिनेशन को बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापक रणनीतिक तालमेल को भी दिखाया है। आपको बता दें कि आईएन-एसएलएन डिवेक एक स्पेशल द्विपक्षीय अभ्यास है जो डाइविंग और पानी के नीचे होने वाले ऑपरेशन्स पर केंद्रित है। इसे भारतीय नौसेना और

श्रीलंकाई नौसेना के बीच विशेष रूप से जटिल समुद्री वातावरण में आपसी तालमेल को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस साल भारतीय नौसेना के जहाज निरीक्षक ने इसमें हिस्सा लिया था।

संक्षिप्त समाचार

'ऑपरेशन मुस्कान' से 731 मोबाइल मिले, पुलिस ने मालिकों को लौटाए फोन, कई थानों में चला

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत गुम हुए मोबाइल फोन उनके धारकों को लौटा दिए हैं। इस वर्ष कुल 731 मोबाइल फोन बरामद कर सौंपे गए हैं।यह कार्रवाई वैशाली जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गुम हुए मोबाइलों पर की गई। इनमें हाजीपुर सदर, नगर, गंगाब्रिज, काजीपुर, भगवानपुर, सराय, गरौल, बिदुपुर, राजापाकड़, महुआ, जंदाहा, महनार, देसरी, पातेपुर, महिषौर और कटहरा सहित कई थाने शामिल हैं।वैशाली पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग ने बताया कि बिहार पुलिस मुख्यालय के आदेश पर 'ऑपरेशन मुस्कान' लगातार चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य खोए या गुम हुए मोबाइल फोन को ढूंढकर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाना है। एसपी सिहाग ने बताया कि इस वर्ष जनवरी में 200, फरवरी में 164, मार्च में 165 और अप्रैल में 202 मोबाइल फोन बरामद कर लौटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोबाइल गुम हो जाने पर लोगों में निराशा का माहौल बन जाता है। ऐसे में वैशाली पुलिस द्वारा फोन बरामद कर उन्हें राहत पहुंचाई जाती है। पुलिस, जनता के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए वैशाली पुलिस लगातार प्रयासरत है।

सोनपुर मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान, 3344 यात्रियों से 22.40 लाख का जुर्माना वसूला

हाजीपुर। सोनपुर मंडल में हाल ही में वाणिज्य विभाग द्वारा एक व्यापक मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत बिना टिकट या अनियमित टिकट के साथ यात्रा कर रहे 3344 यात्रियों को पकड़ा गया, जिनसे कुल 22,40,330 रुपए का राजस्व जुर्माने के रूप में वसूला गया। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक अमित सरन के कुशल निर्देशन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक धीरज कुमार के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों में रेलवे नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और वैध टिकट के साथ यात्रा सुनिश्चित करना था। अभियान के दौरान मंडल के विभिन्न प्रमुख स्टेशनों और ट्रेनों में सघन जांच की गई। मंडल की विभिन्न टिकट जांच टीमों ने समन्वित और प्रभावी कार्रवाई करते हुए यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। इसके अतिरिक्त, चालू माह में अब तक सोनपुर मंडल द्वारा कुल 50,321 मामलों में 3,18,61,550 रुपए का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। यह आंकड़ा टिकट जांच अभियानों की निरंतर प्रभावशीलता और रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसी क्रम में, बरौनी जंक्शन पर एक विशेष मैजिस्ट्रेट टिकट चेकिंग अभियान भी चलाया गया। इस दौरान 32 बिना टिकट या अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया और उनसे 12,335 रुपए का जुर्माना वसूला गया। सोनपुर मंडल ने स्पष्ट किया है कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार के सघन टिकट जांच अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे। यात्रियों से अपील की गई है कि वे वैध टिकट के साथ ही यात्रा करें और रेलवे के नियमों का पालन कर सहयोग प्रदान करें।

चौकीदार के बेटे ने खाकी पहन बनाई रील

हाजीपुर। सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र एक बार फिर चर्चा में है। इस बार वजह कानून-व्यवस्था नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर वायरल एक रील वीडियो है। वीडियो में थाना के चौकीदार विपिन पासवान का बेटा रौशन कुमार खाकी वर्दी में भोजपुरी गानों पर रील बनाते दिख रहा है। इसमें थाना की गश्ती गाड़ी भी स्पष्ट नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि रौशन कुमार कई बार अपने पिता की जगह ड्यूटी भी करता है। यह वीडियो स्थानीय लोगों के बीच तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि, वायरल वीडियो कब की है, इसकी पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। गौरतलब है कि हाल ही में बिहार पुलिस मुख्यालय ने रील बनाने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त रुख अपनाया था। मुख्यालय ने करीब 50 कर्मियों की सूची जारी कर संबंधित जिलों के एसपी को कार्रवाई का निर्देश दिया था। इसके बावजूद ऐसे मामले सामने आना कई सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि पुलिसकर्मियों की जिम्मेदारी खाकी की गरिमा बनाए रखना है। जब वर्दी का उपयोग सोशल मीडिया पर दिखावे के लिए किया जाता है, तो कानून के रखवालों की छवि प्रभावित होती है। अब देखना यह है कि इस वायरल रील के मामले में प्रशासन द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

स्कूल चोरी, 4 गिरफ्तार, 9 पंखे-प्रिंटर बरामद

हाजीपुर। वैशाली जिले के सहदेई बुजुर्ग थाना क्षेत्र में विद्यालयों में हुई चोरी की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में मुख्य सरगना सहित चोरी का सामान खरीदने वाले कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने चोरी के कई सामान भी बरामद किए हैं। महनार एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि सहदेई थाना क्षेत्र के कन्या उच्च विद्यालय में लगातार चोरी की वारदातें सामने आ रही थीं। इन मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की थी। जांच के दौरान कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी सतीश कुमार और मंजीत कुमार को गिरफ्तार किया। उनसे मिली जानकारी के आधार पर चोरी का सामान खरीदने के आरोप में पवन कुमार और सरोज कुमार शर्मा को भी पकड़ा गया। पुलिस ने इनके पास से चोरी के 9 पंखे और एक प्रिंटर बरामद किया है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी सहदेई थाना क्षेत्र के ही निवासी हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि मंजीत कुमार और पवन कुमार को दो दिन पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इस गिरोह में शामिल एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

स्कूली बच्चों से बेंच-डेस्क ढुलवाया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के एक सरकारी स्कूल के बच्चों से बेंच-डेस्क ढुलवाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना कुढ़नी प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय सोनवर्षा की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि स्कूल परिसर के बाहर खड़ी एक जुगाड़ गाड़ी से छोटे-छोटे बच्चे बेंच-डेस्क उतारकर उन्हें नए भवन तक ढो रहे हैं। बच्चों ने स्कूल ड्रेस पहन रखी है और उनसे मजदूरों की तरह काम कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार की है, जब पढ़ाई-लिखाई छोड़कर बच्चों से इस तरह का काम कराया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद इलाके के लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। मामले पर संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार अरविंद सिन्हा ने कहा कि वीडियो की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि वीडियो कब का है और इसकी सत्यता क्या है। यदि मामला सही पाया जाता है, तो संबंधित स्कूल के प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीईओ ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में बच्चों से श्रम कराना पूरी तरह प्रतिबंधित है और यह एक गंभीर उल्लंघन है। फिलहाल शिक्षा विभाग इस मामले की जांच में जुटा है और दोषियों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

'बिहारियों को गोली मार रही मोदी की पुलिस'

मांझी के 'मार दिया तो मार दिया' बयान पर भड़के तेजस्वी, बोले-अब नहीं गाएंगे 'सिक्सर के 6 गोली'

एजेंसी, पटना

'मार दिया तो मार दिया, कौन सी बड़ी बात है...' यह बयान किसी आम व्यक्ति का नहीं, बल्कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का है। दिल्ली में बिहार के खगड़िया निवासी युवक पांडव कुमार की हत्या हुई। परिवार इंसाफ की गुहार लगा रहा है, लेकिन इस दर्दनाक घटना पर केंद्रीय मंत्री के इस बयान ने सियासी हलचल बढ़ा दी। मांझी के इस बयान ने मृतक के परिवार के जख्मों को और गहरा कर दिया है। एक तरफ घरवालों ने अपना बेटा खोया है। दूसरी तरफ सत्ता में बैठे मंत्री की ओर से ऐसे शब्द सामने आए हैं, जिसने लोगों की भावनाओं को गुस्से में बदल दिया है। जीतन राम मांझी अपने इस बयान पर घिरते जा रहे हैं। इस बीच बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मांझी पर जोरदार हमला बोला है। तेजस्वी ने मांझी के बयान को "बेहद घटिया" बताते हुए उनसे माफी मांगने कहा है।

तेजस्वी यादव बोले- घटिया बयान है, माफी मांगे मांझी: तेजस्वी यादव ने कहा, '21 सालों से बिहार में NDA की सरकार है। जिस युवक की हत्या हुई, उसकी उम्र भी 21 वर्ष है। सरकार यह सारा आरोप हम लोगों पर लगाने का काम कर रही है। इसके लिए भी हम लोगों को ब्लेम किया जा रहा है। यह बहुत ही घटिया बयान है। उन्हें अपने इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।'

तेजस्वी बोले- मोदी जी की पुलिस बिहारी को गोली मार रही: तेजस्वी यादव यहीं नहीं रुके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आड़े हाथों घेर लिया। तेजस्वी ने कहा- 'दिल्ली में बिहारी बोलने पर छाती में गोली मार दी जा रही है।'

बिहारी युवक को गोली मारने पर मांझी का विवादित बयान: केंद्रीय मंत्री जीतन राम

मांझी ने कहा था कि, 'दिल्ली में बिहार का युवक मारा गया है। कोई ऐसी बात होगी तो इसकी जांच की जाएगी। जांच के बाद अगर कोई दोषी होगा तो उस पर आवश्यक कार्रवाई होगी। इसमें कौन बड़ी बात है भाई, मार दिया तो मार दिया। कोई ऐसे ही जानबूझकर किसी को नहीं मार देता है। इसकी जांच होगी। अगर सचमुच में किसी निर्दोष को मारा गया है तो मारने वालों को सजा होगी।'

बयान पर घिरने के बाद X पोस्ट कर जताया दुख: विवादित बयान देने के बाद जब अपने बयान पर जीतन राम मांझी घिरने लगे तो उन्होंने रात सोशल मीडिया साइट X पोस्ट कर घटना पर दुख जताया। मांझी ने लिखा कि, 'दिल्ली के उत्तम नगर में हुई डिलीवरी बॉय पाण्डव कुमार की हत्या अत्यंत दुःखद है। बिहार के मेहनतकश और स्वाभिमानी युवाओं के साथ हुई इस अन्यायपूर्ण घटना ने मुझे बहुत आहत किया है। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवार को हर हाल में न्याय मिले यह हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेकुलर) की पहली प्राथमिकता है।'

परिजनों को 8 लाख मुआवजे का ऐलान: दिल्ली के द्वारिका जिला स्थित जाफरपुर कला थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग में बिहार के मजदूर की मौत हो गई थी। CM सम्राट चौधरी ने मजदूर की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतक के आश्रितों को कुल 8 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। मृतक के आश्रितों को श्रम संसाधन विभाग के तरफ से 4 लाख देने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री राहत कोष से भी 4 लाख मिलेंगे।

स्कूल से लौट रही 5 साल की बच्ची से दुष्कर्म

पटना। पटना जिले के पालीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार शाम स्कूल से घर लौट रही 5 साल की मासूम बच्ची के साथ नाबालिक आरोपी ने दुष्कर्म की घटना सामने आई है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत मिलते ही कार्रवाई करते हुए देर शाम ही आरोपी नाबालिग को गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, बच्ची रोज की तरह मंगलवार को भी गांव के स्कूल में पढ़ने गई थी। स्कूल से घर लौटते समय गांव के ही एक किशोर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद बच्ची घायल अवस्था में किसी तरह घर पहुंची और परिजनों को पूरी बात बताई। जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया। परिजन तुरंत बच्ची को इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पालीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपी किशोर को उसके गांव से ही गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी सुमन कुमार ने बताया कि, 'बच्ची की मां के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

पटना-हथियार लहराते हुए युवक कर रहा डांस, मनेर से गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के मनेर थाना क्षेत्र में हथियार लहराते हुए डांस करने का वीडियो सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान इस्लामगंज निवासी कुंदन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें कुछ युवक शादी पार्टी में हथियार लहराते हुए डांस करते दिख रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और इसकी जांच शुरू की। वीडियो की जांच के दौरान पुलिस ने उसमें दिख रहे युवकों की पहचान शुरू की।

सत्यापन के बाद पता चला कि अवैध हथियार के साथ डांस कर रहा युवक मनेर थाना क्षेत्र के इस्लामगंज का रहने वाला है। इसके बाद मनेर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने

शादी समारोह में दोस्तों संग पहुंचा था, देसी कट्टा और कारतूस मिले

युवक के घर पर छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान कुंदन कुमार के रूप में हुई।

तलाशी के दौरान उसके घर से एक देशी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इस संबंध में मनेर थाना में कांड संख्या 390/26 दर्ज किया गया है। पटना सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखती है।

दिल्ली में बिहारी छात्र की हत्या का आक्रोश पटना यूनिवर्सिटी में श्रद्धांजलि सभा

एजेंसी, पटना

दिल्ली में बिहारी छात्र की हत्या को लेकर आज पटना यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों ने श्रद्धांजलि सभा बुलाई। छात्रों ने राज्य और केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है, यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि बिहारियों के प्रति समाज में घर कर रही नफरत और सरकारों की विफलता का प्रमाण है। अगर इस घटना में जल्दी कार्रवाई नहीं होगी, तो हम बिहार सरकार के खिलाफ में विरोध मार्च निकालेंगे और कारगिल चौक को जाम करेंगे।

नेताओं की चुप्पी और सामूहिक विफलता: छात्र आदित्य ने कहा, बिहार के लोगों को मारा जाना या उनकी हत्या होना अब एक दुखद सिलसिला बन गया है। उन्होंने इसे पूरे बिहार का 'कलेक्टिव फेलियर' यानी सामूहिक विफलता बताया। आदित्य

छात्रों ने कहा- न्याय नहीं मिला तो विरोध मार्च निकालेंगे, गांधी मैदान करेंगे जाम

का मानना है कि इस प्रताड़ना के पीछे सबसे बड़ा कारण हमारे नेताओं का डरपोक होना और आवाज न उठाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, अगर शासन की मंशा साफ हो, तो एक फोन कॉल पर इंसाफ मिल सकता है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग जानबूझकर इस पर मौन साधे हुए हैं।

पहचान के नाम पर हिंसा और पलायन का दर्द: छात्र अभिषेक ने देश की वर्तमान स्थिति को अत्यंत दयनीय बताया। उन्होंने कहा, पहले मुंबई और गुजरात में बिहारियों को निशाना बनाया गया और अब दिल्ली में भी वही दोहराया जा रहा है। अभिषेक के अनुसार, अब हालत यह हो गई है कि लोग बस 'बिहारी' पहचान जानकर गोली मार देते हैं। उन्होंने व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि देश में धर्म और जाति की राजनीति तो हो ही रही थी, अब 'बिहारी बनाम अन्य' की राजनीति भी शुरू हो गई है।

नेताओं को बिहार के युवाओं से नहीं है कोई मतलब: अभिषेक ने बिहार सरकार की कार्यप्रणाली को 'निंदनीय' बताते हुए कहा कि जो लोग मजबूरी में काम के लिए बाहर जाते हैं, उन्हें वहां अपमानित होना पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब केंद्र और बिहार दोनों जगह बीजेपी की सरकार है और राज्य के पास 40 सांसद हैं, तब भी बिहारियों को सुरक्षा क्यों नहीं मिल रही? छात्रों का आरोप है कि सरकार को युवाओं के भविष्य में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे ऐसी घटनाओं को सिर्फ एक बड़ी खबर मानकर ठंडे बस्ते में डाल देते हैं।

पलायन रोकने और न्याय की मांग: छात्रों ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि अब तो हम लोगों को बख्श दीजिए। उनकी मांग है कि बिहार में रोजगार के अवसर पैदा किए जाएं ताकि पलायन रुके और किसी को बाहर जाकर 'जूता-लात' न खाना पड़े। साथ ही, उन्होंने दिल्ली की घटना में शामिल हेड कांस्टेबल और अन्य दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पूर्व नगर थानाध्यक्ष अभिषेक रंजन ईओयू दफ्तर पहुंचे

एजेंसी, पटना

किशनगंज के पूर्व नगर थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार रंजन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने उन्हें आय से अधिक संपत्ति मामले में पूछताछ के लिए पटना स्थित अपने कार्यालय में तलब किया है। अभिषेक कुमार रंजन आज सुबह करीब 11 बजे आर्थिक अपराध इकाई (EOU) के दफ्तर पहुंचे, जहां उनसे इओयू पूछताछ कर रही है। अभिषेक कुमार रंजन पर आय से 118 प्रतिशत अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। जानकारी के मुताबिक, ईओयू ने अभिषेक से पूछताछ करने के लिए करीब 50 से ज्यादा सवालों की लिस्ट बनाई है। EOU की 5 अलग-अलग टीम ने 14 अप्रैल 2026 को अभिषेक के 5 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। पटना, छपरा, सिलीगुड़ी और मुजफ्फरपुर में करोड़ों के बंगले और जमीन के निवेश का EOU ने छापेमारी के दौरान खुलासा किया था।

16 साल के सेवा काल में लगभग 50 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति: सूत्रों के अनुसार, अभिषेक कुमार रंजन पर अपने 16 साल के सेवा काल में लगभग 50 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित करने का गंभीर आरोप है। जांच एजेंसी को संदेह है कि उन्होंने पद का

आय से 118 प्रतिशत अधिक संपत्ति को लेकर पूछताछ जारी, बड़े नेटवर्क का खुलासा संभव

दुरुपयोग कर यह संपत्ति जुटाई है। ईओयू अब उनकी आय के स्रोतों और संपत्तियों के नेटवर्क की जांच कर रही है। ईओयू की पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की उम्मीद है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अवैध संपत्ति का नेटवर्क कितना बड़ा है और इसमें किन-किन लोग शामिल हैं। आने वाले दिनों में इस मामले में और भी कई खुलासे होने की संभावना है।

निलंबित SDPO के सहयोगी रहे हैं अभिषेक रंजन: यह मामला तब सामने आया जब किशनगंज के निलंबित एसडीपीओ गौतम कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति की जांच चल रही थी। उसी दौरान अभिषेक रंजन का नाम भी जांच के दायरे में आया। जांच में संकेत मिले कि अभिषेक रंजन, गौतम कुमार के करीबी सहयोगी रहे हैं। ईओयू की प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि थानाध्यक्ष के स्थानीय बालू माफिया, एंट्री माफिया, शराब माफिया और तस्करों से गहरे संबंध थे। इस अवैध कमाई को जमीन, मकान और अन्य बेनामी संपत्तियों में निवेश किया गया।

पश्चिम बंगाल, दिल्ली सहित कई जगहों पर है संपत्ति: जांच एजेंसी को मुजफ्फरपुर के कांटी क्षेत्र सहित पश्चिम बंगाल, दिल्ली एनसीआर और अन्य स्थानों पर उनकी संपत्तियों की जानकारी मिली है। इसमें सिलीगुड़ी में एक फ्लैट और दार्जिलिंग रोड पर खरीदी गई जमीन भी शामिल है। इन संपत्तियों के भुगतान के स्रोत और लेन-देन के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जा रही है।

2009 में बिहार पुलिस में मिली थी पोस्टिंग: अभिषेक कुमार रंजन 2009 में बिहार पुलिस में दारोगा के रूप में नियुक्त हुए थे। उन्होंने मोतिहारी, पटना और किशनगंज जैसे जिलों में सेवाएं दीं। वर्ष 2023 में उन्हें पदोन्नत कर पुलिस निरीक्षक बनाया गया था।

औरंगाबाद में पटना के युवक की लाश, ससुराल से 1 किमी दूर पड़ी थी बॉडी

एजेंसी, पटना

औरंगाबाद में एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हुई है। ससुराल से 1 किमी दूर आम के पेड़ के नीचे लाश मिली है। मृतक पटना के बाढ़ का रहने वाला गोविंद विश्वकर्मा (31) है। गोविंद विश्वकर्मा गया शहर में गांधी मैदान के पास एक फर्नीचर दुकान पर काम करता था और पिछले कुछ वर्षों से वहीं रहकर जीविका चला रहा था। 27 अप्रैल की शाम फर्नीचर दुकान में उसने अपनी बाइक खड़ी की थी। उसने दुकानदार दयानंद को कहा था कि 10 मिनट में चाय पीकर आ रहा हूं, पर वो देर शाम तक नहीं लौटा। घटना की जानकारी दुकानदार ने परिजन को दी। 28 अप्रैल को कुछ छात्र रास्ते से गुजर रहे थे, उन्होंने गोविंद की लाश देखी और स्थानीय लोगों को बताया। जिसके बाद परिजन को भी जानकारी हुई। आज लाश का पोस्टमॉर्टम हुआ है। घटना फीगंज थाना क्षेत्र के सिमरा जमशेद गांव के पास की है। मृतक के साले विक्रम ने बताया कि गोविंद अपने ससुराल पक्ष के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया जिले के भदईया गांव गया हुआ था, जहां उसके पत्नी का ननिहाल था। वहां मामा सनोज विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी। 25 अप्रैल को वहां बारात आई थी, जिसमें परिवार के सभी लोग शामिल हुए थे। शादी के बाद भी गोविंद 2 दिनों तक वहीं रुका रहा। 26 अप्रैल की रात परिवार के लोगों ने एक साथ बैठकर खाना-पीना किया।

गयाजी में फर्नीचर की दुकान में करता था काम

पटना में खोले जा रहे सबसे ज्यादा म्यूल अकाउंट

एजेंसी, पटना

साइबर ठगी के खिलाफ बिहार पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को 'साइबर प्रहार 3.0' के तहत साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई (CCSU) ने 5036 म्यूल यानी फर्जी बैंक खातों की पहचान की है। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठग ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर करने में करते थे। यह कार्रवाई नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 5078 शिकायतों के आधार पर की गई है। पुलिस का कहना है कि इन खातों के जरिए साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क चल रहा था, जिसे अब तोड़ने की तैयारी है। जांच में सामने आया है कि ये फर्जी खाते वर्ष 2025-26 में खोले गए थे। इस संबंध में 22 बैंक शाखाओं को चिह्नित किया गया है, जहां सबसे अधिक म्यूल खाते खुले हैं। इन शाखाओं में कार्यरत संदिग्ध बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच

की जाएगी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन खातों को खोलने में लापरवाही बरती गई या जानबूझकर नियमों की अनदेखी की गई। इस अभियान का लक्ष्य सिर्फ खाताधारकों पर कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे साइबर ठगी नेटवर्क को खत्म करना है। इसमें बैंकिंग सिस्टम से जुड़े लोग, फर्जी सिम सप्लायर और संगठित गिरोह भी जांच के दायरे में हैं। इससे पहले चलाए गए 'साइबर प्रहार 2.0' अभियान में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली थी। उस दौरान राज्य भर में 1216 संदिग्ध खातों की पहचान की गई, 122 मामले दर्ज हुए और 234 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

बिहार बीजेपी की नई प्रदेश कमिटी बनकर तैयार

एजेंसी, पटना

बिहार में भारतीय जनता पार्टी की नई प्रदेश कमेटी का गठन लगभग हो चुका है। अब इसकी आधिकारिक घोषणा के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व की अंतिम सहमति का इंतजार है। जैसे ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी मिलती है, नई प्रदेश कमेटी की घोषणा कर दी जाएगी। संगठन के भीतर इसे लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि इस बार कई बड़े बदलावों के संकेत मिल रहे हैं।

युवा और अनुभव का संतुलन: सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के नेतृत्व में तैयार की गई इस नई कमेटी में युवाओं को खास प्राथमिकता दी गई है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि बदलते राजनीतिक परिदृश्य में युवा चेहरों को आगे लाना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि 50 वर्ष से कम आयु के कई नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने की चर्चा है। हालांकि, केवल युवाओं पर ही जोर नहीं दिया गया है, बल्की पार्टी उन अनुभवी नेताओं को भी जगह देने जा रही है जो लंबे समय से संगठन के लिए काम करते आ रहे हैं। इससे संगठन में ऊर्जा और अनुभव दोनों का संतुलन बने रहने की उम्मीद है।

नई कमेटी में महिलाओं को 33 फीसदी हिस्सेदारी, युवाओं को मिलेगीबड़ी जिम्मेदारी

महिलाओं को 33% तक भागीदारी: इस बार की प्रदेश कमेटी में महिलाओं की भागीदारी भी चर्चा का प्रमुख विषय है। जानकारी के मुताबिक, करीब 33 प्रतिशत पद महिलाओं को दिए जाने की तैयारी है। इसे महिला आरक्षण बिल की भावना के अनुरूप एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बीजेपी इस फैसले के जरिए न सिर्फ महिलाओं को सशक्त करने का संदेश देना चाहती है, बल्कि अन्य राजनीतिक दलों पर भी दबाव बनाने की रणनीति भी है।

जातीय-सामाजिक समीकरण साधने की कोशिश: बिहार की राजनीति में सामाजिक और जातीय समीकरणों का बड़ा महत्व रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए नई कमेटी में विभिन्न वर्गों और समुदायों को संतुलित प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की गई है। पार्टी का लक्ष्य है कि हर वर्ग को संगठन में अपनी भागीदारी महसूस हो।

जंबो नहीं, पहले से छोटी होगी कमेटी: जानकारी के मुताबिक, बीजेपी की नई प्रदेश कमेटी जंबो के बजाए छोटी होने के संकेत मिल रहे ।बीजेपी की घोषित होने वाली कमेटी पिछली बार की अपेक्षा थोड़ी छोटी होगी पर इसमें प्रतिबंधित हर वर्ग और समुदाय का होगा।

सम्राट की बनाई कमेटी अब तक चल रही: फिलहाल, बिहार बीजेपी की वही प्रदेश कमेटी काम कर रही है जिसका गठन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने किया था। बाद में दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन चुनावी व्यस्तताओं और बाद में मंत्री बनने के कारण नई कमेटी का गठन नहीं हो सका। अब यह प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। नई प्रदेश कमेटी को बिहार में बीजेपी के संगठन को और मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

छतौनी ओवरब्रिज निर्माण में देरी पर ठेकेदार को नोटिस; अतिक्रमण हटाकर युद्धस्तर पर काम तेज करने के निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मोतिहारी का छतौनी ओवरब्रिज परियोजना क्षेत्र की अत्यंत महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना में शामिल है। इसके पूर्ण होने से शहर के भीतर यातायात व्यवस्था सुगम होने के साथ-साथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी वाहनों एवं आम यात्रियों के आवागमन में भी उल्लेखनीय सुधार की उम्मीद है। विशेष रूप से छतौनी चौक, जो वर्तमान में अत्यधिक यातायात दबाव से जूझ रहा है, इस ओवरब्रिज के निर्माण के बाद जाम की स्थायी समस्या से काफी हद तक मुक्त हो सकेगा। इसी क्रम में बुधवार को जिला पदाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा छतौनी ओवरब्रिज एवं छतौनी चौक का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति निर्धारित समय-सीमा से काफी पीछे पाई गई, जिसे अधिकारियों ने गंभीरता से लेते हुए कड़ा असंतोष व्यक्त किया। परियोजना में हो रहे विलंब पर सख्त रुख अपनाते हुए एनएचएआई द्वारा संबंधित ठेकेदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण एजेंसी को तत्काल प्रभाव से युद्धस्तर पर कार्य प्रारंभ कर निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा गया है। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य में अतिक्रमण को प्रमुख बाधा के रूप में चिन्हित किया गया। इस पर अनुमंडल पदाधिकारी सदर निशांत सिहारा को निर्देश दिया गया है कि वे दंडाधिकारी एवं पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करते हुए आगामी कुछ दिनों के भीतर संबंधित स्थलों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करें। साथ ही सब्जी मंडी के समीप यातायात डायवर्जन एवं साइड लेन की व्यवस्था भी शीघ्र सुनिश्चित करने को कहा गया है, जिससे निर्माण कार्य की गति को बढ़ाया जा सके। इसके अतिरिक्त, जिले में निर्माणाधीन एसटीपी के इंटरमीडिएट पंपिंग स्टेशन हेतु आवश्यक भूमि उपलब्धता को लेकर सर्किल कार्यालय को निर्देशित किया गया है कि वह छतौनी चौक के निकट शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करे। यह परियोजना शहर की मूलभूत नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए अत्यंत आवश्यक मानी गई है। निर्माण स्थल पर धूल नियंत्रण को लेकर भी प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। जिला पदाधिकारी ने एनएचएआई को निर्देश दिया है कि प्रतिदिन नियमित जल छिड़काव सुनिश्चित किया जाए तथा इसकी दैनिक अनुपालन रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी जाए। किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित एजेंसियों एवं अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं समयबद्धता के साथ करें, ताकि इस महत्वपूर्ण परियोजना को शीघ्र पूर्ण कर जनता को इसका लाभ मिल सके।

बापूधाम मोतिहारी स्टेशन का डीआरएम ने किया निरीक्षण, निर्माण कार्यों की समीक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी

बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन का मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ने अन्य अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चयनित स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों का जायजा लिया गया और अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा की गई। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय बनाने की दिशा में कार्य तेजी से चल रहा है। एमएस कॉलेज गेट के पास लाइट आरओबी का निर्माण कार्य अगले दो महीने में शुरू होने की संभावना है। वहीं, जीवधारा में वाशिंग पिट का कार्य जून तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद एक माह के भीतर टेक्निकल कार्य भी समाप्त कर दिया जाएगा। बंगरी हॉल्ट पर लाइट आरओबी का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे अगस्त तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। चांदमारी और डीएवी स्कूल के पास आरओबी निर्माण कार्य भी तेजी से जारी है। साथ ही चकिया और पिपरा में भी जल्द ही आरओबी निर्माण कार्य शुरू होने की बात कही गई। इसके अलावा मेहसी, चकिया और पिपरा में पुरानी इमारतों को ध्वस्त कर नए प्रतीक्षालय का निर्माण किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। डीआरएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं का लाभ जल्द मिल सके।

“छापेमारी से पहले सन्नाटा-समय पर सूचना या महज़ संयोग?”

हरसिद्धि से सुगौली और ढाका तकछापेमारी से पहले ही बंद हो जाते हैं अवैध केंद्र, क्या प्रशासन खुद ही दे रहा “अलर्ट सेवा”?

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी : हरसिद्धि, सुगौली और ढाका-पचपकड़ी में अवैध स्वास्थ्य केंद्रों, अल्ट्रासाउंड और जांच घरों पर चली छापेमारी अब खुद सवालों के घेरे में है।

कागज़ों में यह अभियान जनता की सुरक्षा के लिए बताया जा रहा है, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही कहानी कह रही है—ऐसी कहानी, जिसमें कार्रवाई से पहले ही “सूचना” पहुंच जाती है और अवैध कारोबार आराम से पर्दे के पीछे चला जाता है।

हरसिद्धि में छापेमारी के अगले ही दिन का दृश्य किसी मरघट से कम नहीं था। जिन बोर्डों पर कल तक “मल्टीस्पेशलिटी” और “एडवांस अल्ट्रासाउंड” चमक रहे थे, वे गायब थे। शटर गिरे हुए, अंदर हलचल बंद—लेकिन पूरी तरह नहीं। कुछ जगहों पर दरवाज़े के पीछे से इलाज जारी था, तो कहीं सफेद कॉलर वाले “सलाहकार” समाधान खोजते दिखे। सबसे दिलचस्प बात यह रही कि इतने बड़े अभियान के बाद भी किसी अवैध संचालक को नोटिस तक नहीं मिला।

सुगौली की कहानी भी कुछ अलग नहीं। यहां प्रशासनिक टीम के पहुंचने से पहले ही लगभग सभी संदिग्ध अस्पताल और जांच केंद्र बंद हो चुके थे। जो एक-दो खुले मिले, वहां डॉक्टर नदारद। परिणाम—ना सीलिंग, ना कार्रवाई, बस औपचारिकता पूरी। सवाल उठता है कि क्या यह महज़ संयोग था, या फिर “समय पर सूचना” का कमाल?

ढाका और पचपकड़ी में भी यही हाल रहा। छापेमारी दल पहुंचा, लेकिन मैदान पहले से खाली। गिनती के कुछ केंद्र खुले मिले, जहां जांच के बाद टीम को बिना ठोस कार्रवाई के लौटना पड़ा। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि छापेमारी से पहले ही खबर लीक हो जाती है, जिससे संचालक आराम से शटर गिराकर “गायब” हो जाते हैं।

अब बड़ा सवाल यही है—क्या यह छापेमारी वाकई अवैध स्वास्थ्य केंद्रों पर नकेल कसने के लिए है, या फिर यह एक ऐसी प्रक्रिया बन चुकी है, जहां कार्रवाई से ज्यादा “सूचना प्रबंधन” मजबूत है? क्योंकि जिस तरह हर ब्लॉक में खुलेआम ऐसे केंद्र वर्षों से चल रहे हैं, वह बिना किसी मिलीभगत के संभव नहीं लगता।

स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर चल रहे इस खेल ने आम लोगों का भरोसा कमजोर किया है। अगर छापेमारी से पहले ही सब कुछ बंद हो जाना है, तो फिर यह अभियान किसके लिए? जनता के लिए या फिर “सिस्टम” को संतुष्ट करने के लिए?

अब देखना यह है कि प्रशासन इस व्यंग्यात्मक हकीकत को बदलता है या फिर छापेमारी की यह कहानी आगे भी यूं ही “पहले सूचना, फिर कार्रवाई” के फार्मूले पर चलती रहेगी।

जनगणना-2027 को लेकर प्रशासन सतर्कः मकान सूचीकरण हेतु कंट्रोल रूम बनाने का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण कार्य को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इस क्रम में चार्ज स्तर पर कंट्रोल रूम गठन के निर्देश दिए गए हैं, ताकि समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके। प्रधान जनगणना पदाधिकारी -सह-जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने नगर के समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक के दौरान कहा कि मकान गणना जनगणना का सबसे अहम हिस्सा है और इसकी सफलता इसी में है कि कोई भी मकान छूटे नहीं। उन्होंने नजरी नक्शा के सही निर्माण और उसके प्रभावी उपयोग पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी श्री जोरवाल ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मकान गणना कार्य को प्राथमिकता देते हुए व्यापक तैयारी सुनिश्चित की जाए। यह कार्य 2 मई 2026 से 30 मई 2026 तक संपन्न किया जाएगा। इसके लिए प्रत्येक चार्ज अधिकारी को प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, परिचय पत्र, नक्शा और किट वितरण जैसे कार्यों को समय पर पूरा करना होगा। साथ ही कार्यों की सतत समीक्षा और निरीक्षण भी किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनगणना देश का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है और इसे निर्धारित समय सीमा में पूरा करना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इस बैठक में जिला जनगणना पदाधिकारी -सह- अपर समाहर्ता (राजस्व) मुकेश कुमार सिन्हा ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैंडबुक का कार्य आगामी 1 अगस्त से 30 अगस्त तक किया जाएगा, जिसके लिए अभी से तैयारी शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं जिला नोडल अधिकारी -सह- जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने भरोसा दिलाया कि निदेशालय के निर्देशानुसार मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य समय पर पूरा कर लिया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त आशीष कुमार, सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा, सहायक समाहर्ता राज कृष्ण झा, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा अभियान) प्रह्लाद गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शांतिपूर्ण माहौल में चौथे दिन की परीक्षा हुई संपन्न

1585 परीक्षार्थियों की रही उल्लेखनीय उपस्थिति

बीएनएम@ मोतिहारी

बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के निर्देशन में संचालित स्नातक (सी.बी.सी.एस) पंचम सेमेस्टर, सत्र 2023–27 की परीक्षाएं अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुचारू रूप से आगे बढ़ रही हैं। इसी क्रम में बुधवार, 29 अप्रैल 2026 को शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय परीक्षा केंद्र पर चौथे दिन की परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण, कदाचारमुक्त एवं अनुशासित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। महाविद्यालय को एस.आर.ए.पी कॉलेज, चकिया, मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज, के.एस.आर.एन. डिग्री कॉलेज, मठिया एवं एस.एन. एस.आर.एन.एस. डिग्री कॉलेज, केसरिया के परीक्षार्थियों के लिए केंद्र बनाया गया है, जहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। प्रथम पाली में मेजर ग्रुप-सी के अंतर्गत हिंदी, मनोविज्ञान, भौतिकी, गणित एवं समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें कुल 885 परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं द्वितीय पाली में मेजर ग्रुप-डी के अंतर्गत जूलॉजी, इतिहास एवं संगीत विषयों की परीक्षा हुई, जिसमें 700 परीक्षार्थी शामिल हुए। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा की पारदर्शिता, शुचिता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक एवं सुदृढ़ व्यवस्थाएं की गई थीं। परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा, निगरानी एवं अनुशासन के सभी मानकों का कड़ाई से पालन किया गया, जिससे संपूर्ण परीक्षा प्रक्रिया निर्विघ्न रूप से संपन्न हो सकी। इस संबंध में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद ने बताया कि केंद्र पर परीक्षा पूरी तरह निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में आयोजित हुई। मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने भी इसकी पुष्टि करते हुए प्रशासनिक तत्परता और सहयोग की सराहना की।

नीट-यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को, मोतिहारी में 13 केंद्रों पर 6336 परीक्षार्थी होंगे शामिल

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने दिए सख्त निर्देश, कदाचारमुक्त व शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार

बीएनएम@ मोतिहारी

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 का आयोजन आगामी 3 मई, रविवार को पूर्वी चंपारण जिले में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष माहौल में कराया जाएगा। इसको लेकर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में दंडाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों की संयुक्त ब्रीफिंग बुधवार को आयोजित की गई। उक्त बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में कुल 13 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 6336 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा एक पाली में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी। जिलाधिकारी ने सभी प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट एवं केंद्राधीक्षकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि परीक्षा को स्वच्छ, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा एवं जैमर की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ प्रत्येक कक्ष में घड़ी लगाने तथा समय का मिलान करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बिजली, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। परीक्षा केंद्रों पर तैनात स्टेटिक दंडाधिकारी एवं पुलिस बल को सुबह 9:00 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। परीक्षार्थियों का प्रवेश सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक ही होगा, इसके बाद किसी को प्रवेश नहीं मिलेगा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत परीक्षार्थियों की दो चरणों में सघन जांच (फ्रीस्किंग) की जाएगी। इसके बाद बायोमेट्रिक सत्यापन के उपरांत ही उन्हें परीक्षा कक्ष में प्रवेश मिलेगा। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र के साथ दो फोटो लाना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन, घड़ी, आभूषण, बेल्ट, इरेज़र, शार्पनर सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। वहीं ड्यूटी पर तैनात कर्मियों को भी मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस रखने की अनुमति नहीं होगी। विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में सशस्त्र बल एवं महिला कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी परीक्षा केंद्रों के 200 गज के दायरे में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी। साथ ही परीक्षा के दिन सुबह 8:00 बजे से शाम 7:00 बजे तक केंद्रों के आसपास स्थित फोटोस्टेट एवं साइबर कैफे बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। मीडिया के प्रवेश पर भी रोक रहेगी।आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो परीक्षा के दिन दूरभाष संख्या 06252-242418 पर सक्रिय रहेगा।

हेयर कटिंग सैलून की आड़ में चल रहा था शराब का कारोबार

» हरसिद्धि में पुलिस का शिकंजा, 4 गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए चार कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान अलग-अलग स्थानों से कुल करीब 13.78 लीटर शराब बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, मठ लोहियार अहीर टोली वार्ड संख्या 02 निवासी अजय कुमार हेयर कटिंग सैलून की आड़ में शराब बेच रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में उसके पास से 8 पीएम फ्रूटी के 21 पीस, कुल 3.78 लीटर शराब बरामद की गई। वहीं, महंगुआ गांव में पुलिस ने अलग कार्रवाई करते हुए मो. नासिर हुसैन, प्रमोद राम और पुनदेव चौधरी को 10 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान एक अन्य आरोपी प्रभु मांझी और उसकी पत्नी मौके से फरार हो गए। दोनों के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि अवैध शराब कारोबार के खिलाफ थाना क्षेत्र में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस धंधे में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी।

लीचीपुरम उत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक, दो दिवसीय भव्य आयोजन का निर्णय

बीएनएम@ मोतिहारी

18वें लीचीपुरम उत्सव के सफल आयोजन को लेकर बुधवार को समिति के संरक्षक सत्यदेव राय आर्य की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक समिति के अध्यक्ष अरविंद कुमार के आवास पर संपन्न हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी लीचीपुरम उत्सव का आयोजन मई माह के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्वी चम्पारण के सांसद राधामोहन सिंह की उपस्थिति भी सुनिश्चित हुई है, जिन्होंने आयोजन में शामिल होने की सहमति प्रदान कर दी है। समिति के सदस्यों ने सांसद के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मेहसी क्षेत्र के विकास में उनके योगदान की सराहना की। इस वर्ष उत्सव को और अधिक भव्य स्वरूप प्रदान करते हुए इसे दो दिवसीय आयोजन के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम में देश के ख्यातिप्राप्त कलाकारों को आमंत्रित किए जाने पर भी सहमति बनी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि इस अवसर पर एक आकर्षक, रंगीन एवं ज्ञानवर्धक स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा, जो 52 पृष्ठों की होगी। स्मारिका के प्रकाशन में एनआरसी मुशहरी के निदेशक तथा कृषि विज्ञान केंद्र, पीपरा कोठी का सहयोग लिया जाएगा। स्मारिका हेतु लेख एवं शुभकामना संदेश प्राप्त करने के लिए सांसद एवं विधायक को पत्र प्रेषित किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए विधायक श्याम बाबू प्रसाद यादव के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से भेंट कर सहयोग का आग्रह करेगा। अतिथियों को आमंत्रित करने की जिम्मेदारी भी विधायक श्री यादव को सौंपी गई है। बैठक में यह भी तय किया गया कि उत्सव की तिथि का निर्धारण विधायक की सहमति से किया जाएगा तथा आयोजन को व्यापक एवं सफल बनाने के लिए सभी सदस्य सक्रिय भूमिका निभाएंगे। बैठक के अंत में निर्णय लिया गया कि अगली बैठक 3 मई को सुबह 8 बजे आयोजित की जाएगी। इस बैठक में सुदिष्ट नारायण ठाकुर, अरविंद कुमार गुप्ता, सुधीर कुमार सिन्हा, भूषण कुशवाहा, शंकर प्रसाद कुशवाहा, हामिद रजा, डॉ. मनोज कुमार, मृदुल मिश्रा, रत्नेश कुमार सिंह, अशोक कुशवाहा, गोविंद कुमार, सुमन कुमार मिश्रा, विजय कुमार सिंह, उमेश शर्मा, जयंत कुमार मोनू सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रकृति संरक्षण जन-जन की जिम्मेदारीः सांसद राधामोहन सिंह

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रकृति की रक्षा को सामूहिक दायित्व बताते हुए सांसद राधामोहन सिंह ने अधिक से अधिक लोगों को पर्यावरण संरक्षण अभियान से जुड़ने का आह्वान किया। वे बुधवार को एनएसपीसी पोस्टर लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों ने संयुक्त रूप से बैनर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का आयोजन महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की, जबकि अतिथियों का स्वागत चीफ प्रॉक्टर एवं गांधी भवन परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया। संचालन डॉ. अमित रंजन ने किया। विषय प्रवेश कराते हुए योगी शैलेंद्रनंद गिरि ने एनएसपीसी के महत्व पर प्रकाश डाला और युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने 15 जुलाई से 15 सितंबर तक अभियान में पंजीकरण कराने का आग्रह भी किया। इस अवसर पर मोतिहारी वन प्रमंडल पदाधिकारी राजकुमार शर्मा एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरि ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। धन्यवाद ज्ञापन नवनीत कुमार गिरि ने किया।कार्यक्रम में प्रो. सहना मजूमदार, प्रो. अरविंद शुक्ला, डॉ. प्रीति बाजपेयी, डॉ. सुनील कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार, आदर्श कुमार ओझा, राजीव कुमार सहित विश्वविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में अतिथियों ने विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

संक्षिप्त समाचार

चम्पापुर नहर के पास मिले शव की हुई पहचान, परिजनों में मचा कोहराम

बीएनएम@ रामगढ़वा। तिलकहनी-चम्पापुर नहर के पास कल बरामद अज्ञात शव की पहचान हो गई है। मृतक की शिनाख्त गाद बहुअरी गांव निवासी राजदेव पासवान के पुत्र मणी पासवान के रूप में की गई है। पहचान होते ही परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव को देखकर बिलख पड़े। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने बताया कि शव की शिनाख्त कर ली गई है और पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच में जुटी है। उन्होंने कहा कि घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है तथा जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

विधायक प्रो. नागेन्द्र राउत और अभिषेक झा ने पुपरी में फूंका चुनावी बिगुल

पंचायत स्तर पर मतदाताओं से सीधा संपर्क साधेगी पार्टी

बीएनएम@ सीतामढ़ी। पुपरी स्थित सम्राट अशोक भवन में मंगलवार को आगामी तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव की तैयारियों को लेकर एनडीए कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य केंद्र चुनावी रणनीति तैयार करना और कार्यकर्ताओं में नया उत्साह फूंकना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता जदयू प्रखंड अध्यक्ष वली अहमद खान ने की, जबकि संचालन भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष रणधीर चौधरी द्वारा किया गया।बैठक के मुख्य वक्ता जदयू प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक झा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मतदाता सूची के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जीत का आधार मजबूत मतदाता सूची है, इसलिए अगले एक सप्ताह के भीतर उन सभी स्नातक युवाओं के फॉर्म भरवाकर प्रखंड कार्यालय में जमा करना अनिवार्य है, जो अब तक मतदाता नहीं बन सके हैं। उन्होंने पिछली कमियों को सुधारने और इस बार पंचायत स्तर तक जाकर मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने का संकल्प दोहराया।स्थानीय विधायक प्रो. नागेन्द्र राउत ने भी एनडीए गठबंधन की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि कार्यकर्ता सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाएं। बैठक में एनडीए के सभी घटक दलों के बीच उत्कृष्ट तालमेल नजर आया। पुपरी प्रमुख मनोज यादव सहित भारी संख्या में उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अभिषेक झा की ऐतिहासिक जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। निर्णय लिया गया कि अगले सात दिनों में सभी लंबित फॉर्म जमा कर चुनावी अभियान को और तेज किया जाएगा। इस दौरान जदयू और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी व दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जलापूर्ति बाधित हुई तो आपदा अधिनियम में होगी जेल : डीएम

बीएनएम@ गयाजी। गया के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने भीषण गर्मी के बीच शहर की जलापूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए पुलिस लाइन स्थित सिंगरा स्थान जलापूर्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। पिछले चार दिनों से इस केंद्र से जुड़े क्षेत्रों जैसे एपी कॉलोनी, चंदौती, मुस्तफाबाद, मगध मेडिकल और गवालबीघा में पानी की आपूर्ति बाधित होने की शिकायतों के बाद डीएम ने नगर आयुक्त और बुडको की टीम के साथ जमीनी स्तर पर जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि केंद्र में 4 MLT और 4.24 MLT क्षमता वाली दो बड़ी टंकियां उपलब्ध हैं, जिन्हें भरने में 7-8 घंटे लगते हैं, लेकिन उनका डिस्चार्ज मात्र 45 मिनट में हो जाता है। डीएम ने टंकियों के ऊपरी तल पर जाकर खुद पानी के लेवल की जांच की और निर्देश दिया कि सुबह-शाम पूरे दबाव के साथ अंतिम छोर तक जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए।

1.21 लाख पांडुलिपियों का सत्यापन, 5 मई को डीएम करेंगे सम्मानित

गया समाहरणालय में जुटेगा दिग्गजों का जमावड़ा

बीएनएम@ गयाजी। गया के समाहरणालय सभागार में आगामी 05 मई को 'ज्ञान भारतम मिशन' के अंतर्गत एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में गया के जिलाधिकारी द्वारा उन व्यक्तियों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने पांडुलिपि संरक्षण एवं डिजिटाइजेशन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किया है। यह पहल जिले की प्राचीन सांस्कृतिक और साहित्यिक धरोहरों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से सुरक्षित कर भविष्य की पीढ़ियों तक पहुँचाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।प्रशासन द्वारा चलाए गए व्यापक सर्वेक्षण के दौरान बोधगया मठ, मगध विश्वविद्यालय, समाहरणालय पुस्तकालय और निजी संग्रहों से कुल 1,21,398 पांडुलिपियों का सफलतापूर्वक सत्यापन किया गया है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इस महत्वपूर्ण कार्य में शंभूनाथ विट्ठल, राजेंद्र कुमार सिजुआर, चिंटू लाल, रंजीत भैया, दीनानाथ मेहरवार और कृष्ण लाल भैया सहित अन्य स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई है।समारोह का मुख्य उद्देश्य पांडुलिपि संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना और इस क्षेत्र में समर्पित लोगों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शिक्षाविद, शोधकर्ता और अभिलेखागार विशेषज्ञ भी शामिल होंगे। इस दौरान डिजिटाइजेशन की चुनौतियों और उपलब्धियों पर भी विस्तृत चर्चा की जाएगी।

चमकी बुखार से निपटने को जिला प्रशासन अलर्ट मोड में, 24×7 कंट्रोल रूम सक्रिय

बीएनएम@ बेतिया

मस्तिष्क ज्वर (चमकी बुखार) की रोकथाम, त्वरित पहचान एवं प्रभावित बच्चों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पश्चिम चंपारण जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय हो गया है। जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह के निर्देश पर जिले में 24×7 कार्यरत जिलास्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से चमकी बुखार से संबंधित किसी भी सूचना पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलास्तरीय कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 06254-295139 निर्धारित किया गया है। इसके अतिरिक्त आमजन 6299792675, 8678880702, 9122445500 एवं 7903217501 पर भी संपर्क कर सकते हैं। कंट्रोल रूम के लिए एमओआईसी डॉ. रमेश चन्द्रा (9470003202) तथा नोडल पदाधिकारी डॉ. हरेन्द्र राम (9470003199) को नामित किया गया है। कंट्रोल रूम के सुचारू संचालन हेतु तीन पालियों में कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है—रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक प्रकाश कुमार, सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक अरुण कुमार तथा दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक सुजीत कुमार वर्मा अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। सिविल सर्जन ने बताया कि जिला मुख्यालय के साथ-साथ सभी अनुमंडलीय अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी कंट्रोल रूम सक्रिय कर दिए गए हैं। सभी स्तरों पर चिकित्सकीय व्यवस्था को अलर्ट मोड में रखा गया है। प्रशासन द्वारा विभिन्न अस्पतालों एवं प्रखंडों के लिए भी संपर्क नंबर जारी किए गए हैं, जिनके माध्यम से सूचना, परामर्श, एंबुलेंस सहायता एवं चिकित्सा मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि चमकी बुखार को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पर्याप्त दवाओं, बेड, उपकरणों एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग समन्वित रूप से कार्य कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि बच्चों में तेज बुखार, बेहोशी, शरीर में ऐंठन, झटके, लगातार उल्टी या असामान्य व्यवहार जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या कंट्रोल रूम से संपर्क करें, क्योंकि समय पर उपचार ही जीवन रक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है।

एनएसपीसी पोस्टर का सांसद ने किया लोकार्पण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

बीएनएम@ मोतिहारी

प्रकृति संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में एनएसपीसी पोस्टर का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राधामोहन सिंह ने भाग लिया। इस अवसर पर सांसद ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण की रक्षा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने पर बल दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने संयुक्त रूप से पोस्टर का लोकार्पण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की, जबकि अतिथियों का स्वागत चीफ प्रॉक्टर एवं गांधी भवन परिसर के निदेशक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमित रंजन ने किया। विषय प्रवेश करते हुए योगी शैलेंद्रनंद गिरि ने एनएसपीसी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 15 जुलाई से 15 सितंबर तक पंजीकरण किया जा सकेगा। इस अवसर पर मोतिहारी वन प्रमंडल पदाधिकारी राजकुमार शर्मा एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी राजन गिरि ने भी प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन नवनीत कुमार गिरि ने किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रो. सहना मजूमदार, प्रो. अरविंद शुक्ला, डॉ. प्रीति बाजपेयी, डॉ. सुनील कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता विनय कुमार, आदर्श कुमार ओझा, राजीव कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण भी किया गया।

पर्यावरण संरक्षण की मुहिमः रामगढ़वा थाना परिसर में हुआ पौधारोपण

बीएनएम@ रामगढ़वा

पर्यावरण संरक्षण को लेकर रामगढ़वा थाना परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह एवं जिप पति मो. कमरुद्दीन ने संयुक्त रूप से फलदार एवं छायादार पौधे लगाए। कार्यक्रम के दौरान थानाध्यक्ष ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरण असंतुलन को रोकने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भी इस मुहिम से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभाएं। वहीं जिप पति मो. कमरुद्दीन ने ग्रामीणों से पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की देखभाल पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और इनके संरक्षण से ही आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। इस मौके पर चौकीदार राम भरोस सहित थाना के सभी कर्मी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर लगाए गए पौधों की सुरक्षा और देखभाल का संकल्प लिया।

स्वच्छ रक्सौल की पहलः 50 महिलाओं को मिला प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र, सशक्तिकरण को नई दिशा

बीएनएम@ रक्सौल

स्वच्छ रक्सौल के तत्वावधान में संचालित महिला प्रशिक्षण केंद्र में 50 प्रशिक्षित महिलाओं के बीच प्रमाण-पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन महिलाओं के कौशल, संघर्ष और आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम का सम्मान बनकर सामने आया। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनीष आनंद तथा प्रशिक्षु एएसपी हेमंत सिंह ने संयुक्त रूप से महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए। अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि आत्मनिर्भर महिला ही समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने बताया कि सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर जैसे कौशल के माध्यम से महिलाएं न केवल अपनी आय बढ़ा सकती हैं, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकती हैं। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि बोलने और सुनने में असमर्थ प्रशिक्षु निशा कुमारी ने भी प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर प्रमाण-पत्र प्राप्त किया, जो अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनी। इसके अलावा कुमारी निक्की, आशा कुमारी, आर्या देवी, खुशनुमा खातून एवं प्रियंका देवी सहित कई प्रशिक्षुओं ने भी प्रशिक्षण पूरा किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका नेहा श्रीवास्तव, भारती कुमारी, श्वेता श्रीवास्तव एवं महिला इंचार्ज साबरा खातून की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अधिकारियों ने उनके समर्पण की सराहना की। स्वच्छ रक्सौल के अध्यक्ष रणजीत सिंह ने बताया कि आने वाले महीनों में 200 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एटीएम काटकर 37 लाख से अधिक की चोरी, गश्त पर उठे सवाल

बीएनएम@ तुरकौलिया

शहर से सटे रघुनाथपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक सनसनीखेज वारदात में अज्ञात चोरों ने एसबीआई के एटीएम को काटकर लाखों रुपये की चोरी कर ली। घटना सुदामा मार्बल शो रूम के बगल में स्थित एटीएम की है, जहां करीब रात 2 बजे चार से पांच की संख्या में आए अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया। बताया जाता है कि चोरों ने एटीएम के कैश बॉक्स को काटकर करीब 37 लाख 36 हजार 100 रुपये उड़ा लिए और स्विफ्ट डिजायर कार से फरार हो गए। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने पास की दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे पर स्प्रे पेंट कर दिया। हालांकि एटीएम के अंदर लगे कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई है। हैरानी की बात यह है कि एटीएम में न तो कोई गार्ड तैनात था और न ही सायरन काम कर रहा था, जिसके कारण घटना के दौरान कोई अलार्म नहीं बजा। सुबह स्थानीय लोगों ने एटीएम मशीन को कटा देखा, तब जाकर पुलिस को सूचना दी गई। घटना स्थल थाना से महज 500 मीटर की दूरी पर होने के कारण पुलिस की रात्रि गश्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी स्वर्ण प्रभात ने तत्काल कार्रवाई करते हुए गश्ती दल के सभी कर्मियों को निलंबित कर दिया है। सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया गया है, जो मामले की जांच में जुटा है। टेक्निकल सेल की टीम साक्ष्य जुटा रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि अब तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई है, इसलिए चोरी की गई राशि की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस ने अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी तेज कर दी है।

स्वास्थ्य विभाग की छापेमारी से अवैध संचालकों में हड़कंप, कार्रवाई पर उठे सवाल

बीएनएम@ सिकरहना

आम लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोतिहारी के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल चिकित्सा पदाधिकारी के नेतृत्व में अवैध अस्पताल, अल्ट्रासाउंड केंद्र और जांच घरों के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। हालांकि, इस अभियान की प्रभावशीलता पर अब सवाल उठने लगे हैं। छापेमारी के दौरान संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे, लेकिन किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं होने से पूरे अभियान पर प्रश्नचिह्न लग गया है। जिन अवैध अस्पतालों, अल्ट्रासाउंड केंद्रों और जांच घरों पर कार्रवाई होनी चाहिए थी, वे अधिकांश पहले से ही बंद मिले और संबंधित संचालक मौके से गायब पाए गए। स्थिति यह रही कि पूरे अभियान के दौरान ढाका और पचपकड़ी में महज दो-दो अस्पताल ही खुले मिले। जांच के बाद टीम को बिना किसी ठोस कार्रवाई के वापस लौटना पड़ा। वहीं, विभिन्न चौक-चौराहों पर संचालित संदिग्ध संस्थानों को भी सील नहीं किया जा सका। इस पूरे घटनाक्रम ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या छापेमारी की सूचना पहले ही लीक हो गई थी, जिसके चलते संचालकों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। स्थानीय लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि इस तरह की कार्रवाई महज औपचारिकता बनकर रह गई है। ढाका और पचपकड़ी क्षेत्र में दर्जनों क्लिनिक, नर्सिंग होम, जांच घर और अल्ट्रासाउंड केंद्र संचालित हैं। इनमें कितने वैध हैं और कितने अवैध, यह भी जांच का विषय बना हुआ है। पचपकड़ी बाजार में ही करीब एक दर्जन जांच घर और अल्ट्रासाउंड केंद्र तथा कई क्लिनिक और नर्सिंग होम संचालित होने की बात सामने आ रही है। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर चल रहे इस कथित खेल को लेकर लोगों में आक्रोश है। कई लोगों ने इसे "मौत का सौदागर" तक करार दिया है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस दिशा में पारदर्शिता के साथ सख्त कार्रवाई करता है या फिर यह अभियान भी कागजों तक ही सीमित रह जाता है।

पोखर में डूबने से 12 वर्षीय सोफियान की मौत, एक साल में हैदर बैठा ने खोया दूसरा बेटा

बीएनएम@ सीतामढ़ी

सीतामढ़ी जिले के सोनबरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत इंदरवा गांव (वार्ड संख्या 14) में एक अत्यंत दुखद और हृदय विदारक घटना घटी है, जहाँ 12 वर्षीय बालक सोफियान बैठा की पोखर में डूबने से असामयिक मृत्यु हो गई। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे उस समय हुआ जब सोफियान अपने दोस्तों के साथ इंडो-नेपाल रोड स्थित एक पोखर में स्नान करने गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अन्य बच्चों के साथ सोफियान ने भी पानी में छलांग लगाई, लेकिन वह वापस सतह पर नहीं आ सका। साथियों के शोर मचाने पर ग्रामीण और सोनबरसा थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुँचे। सीओ अनुपम कुमार और थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में जाल डालकर काफी खोजबीन की गई, जिसके बाद बच्चे का शव बरामद हुआ।इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है क्योंकि हैदर बैठा के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। विडंबना यह है कि पिछले ही वर्ष उनके छोटे पुत्र आशिक की भी एक दुर्घटना में जान चली गई थी। एक साल के भीतर दो बेटों को खोने के गम में माँ रहमती खातून और पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में पसरा सन्नाटा और परिजनों की चीख-पुकार किसी का भी कलेजा चीर देने वाली है। स्थानीय पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है, लेकिन इस दोहरी त्रासदी ने पूरे इंदरवा गांव को शोक की लहर में डुबो दिया है।

गैस एजेंसियों पर सघन निरीक्षण, कई अनियमितताएं उजागर

बीएनएम@ रक्सौल/रामगढ़वा

प्रखंड क्षेत्र में उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार ने आपूर्ति पदाधिकारी एवं थाना टीम के साथ दो प्रमुख गैस एजेंसियों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद दोनों एजेंसियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। निरीक्षण के दौरान प्रो लालपरी गैस एजेंसी में स्टॉक संधारण में गड़बड़ी, माप-तौल मशीन का खराब होना, गोदाम का रखरखाव मानकों के अनुरूप नहीं होना तथा उपभोक्ताओं को बिना वजन किए गैस वितरण करने जैसी गंभीर खामियां पाई गईं। वहीं, मा सावित्री गैस एजेंसी में फायर बकेट का समुचित रखरखाव नहीं होना, गोदाम की साफ-सफाई में लापरवाही तथा स्टॉक और मूल्य सूची का प्रदर्शन नहीं किया जाना सामने आया। अनुमंडल पदाधिकारी ने दोनों एजेंसियों को तत्काल सभी खामियां दूर करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि उपभोक्ताओं को मानक के अनुरूप और पारदर्शी तरीके से गैस वितरण सुनिश्चित नहीं किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह निरीक्षण उपभोक्ता हितों की सुरक्षा और आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

चार एसटीपी का निर्माण तेज़, अब बिना शोधन झील में नहीं जाएगा नालों का गंदा पानी

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर की प्रमुख जलस्रोतों को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए मोतिहारी शहर में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजना पर कार्य शुरू हो चुका है। शहर की हृदय स्थली मोतीझील सहित अन्य नदियों की सफाई और पुनरुद्धार के उद्देश्य से शहर के चार अलग-अलग स्थानों पर एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है। इस योजना के तहत अब घरों और नालों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे झील या नदियों में नहीं जाएगा, बल्कि पहले इन अत्याधुनिक संयंत्रों में उसका शोधन किया जाएगा। प्रत्येक एसटीपी में स्क्रीनिंग, सेडिमेंटेशन, एरेशन और बायोलॉजिकल ट्रीटमेंट जैसी आधुनिक प्रक्रियाओं के जरिए सीवेज जल को पूरी तरह साफ किया जाएगा। परियोजना के पूरा होने के बाद मोतीझील का जल पहले से अधिक स्वच्छ और निर्मल होगा। इससे जलीय जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का पारिस्थितिकी तंत्र भी पुनर्जीवित होगा। साथ ही, झील को एक नई पहचान मिलने के साथ यह क्षेत्र पर्यटन के लिहाज से भी आकर्षण का केंद्र बन सकेगा। वर्तमान में चारों एसटीपी का निर्माण कार्य तेज़ गति से जारी है और इसे वर्ष 2027 के अंत तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे झील और नदियों में कचरा या किसी भी प्रकार का अपशिष्ट न डालें तथा इस महत्वपूर्ण पर्यावरणीय पहल को सफल बनाने में सहयोग करें।

चिंगारी पड़ते ही लपटें

सरकार ने उलझे हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उसने समस्या को महज कानून-व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी कामयाबी नहीं मिली है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं।

मणिपुर में हालात लगातार इतने सुलगे हुए हैं कि कोई भी चिंगारी पड़ते ही लपटें उठने लगती हैं। बिशुनपुर जिले में मंगलवार को बम फेंके जाने की घटना के बाद यही हुआ। बम एक आम परिवार के घर पर फेंका गया, जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। उसके बाद भड़की भीड़ ने जगह- जगह सुरक्षा ठिकानों सहित अन्य स्थलों को निशाना बनाया। उन पर हुई पुलिस कार्रवाई में दो और लोग मारे गए। पांच जिलों में कर्फ्यू लगाते हुए इंटरनेट बंद करना पड़ा। बम संभवतः कुकी उग्रवादियों ने फेंका, जिसका शिकार मैतेई परिवार बना। बाद में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए दोनों व्यक्ति मैतेई समुदाय के ही हैं। इन घटनाओं ने फिर जाहिर किया है कि मणिपुर में हालात लगातार असामान्य बने हुए हैं। बल्कि मई 2023 में हिंसा शुरू होने के बाद से वहां मैतेई और कुकी समुदायों के बीच खाई लगातार चौड़ी होती गई है। इससे पूरे राज्य में अविश्वास का माहौल है। केंद्र और राज्य सरकारों ने उलझते गए हालात का हल निकालने की कोई गंभीर कोशिश नहीं की है। उन्होंने समस्या को महज कानून- व्यवस्था के नजरिए से देखा है। मगर उस मोर्चे पर भी प्रशासन कामयाब नहीं हुआ है, जिसकी मिसाल ताजा घटनाएं हैं। वैसे जहां अशांति की जड़ में दो समुदायों के बीच जारी तनाव हो, वहां कानून- व्यवस्था संबंधी उपायों से सामान्य स्थिति बहाल नहीं की जा सकती। इस मोर्चे पर सत्ताधारी दल या किसी अन्य राजनीतिक पक्ष ने जमीनी पहल नहीं की है। आवश्यकता दोनों में समुदायों के बीच संवाद बनाने और सद्भाव पैदा करने की है, ताकि उनमें एक- दूसरे के प्रति गहराते गए वैर भाव को दूर करने का रास्ता निकले। फिलहाल सूरत यह है कि कुकी संगठन अलग प्रदेश की मांग पर अड़े हुए हैं। उन्हें नहीं लगता मैतेई बहुल मणिपुर में वे सुरक्षित रह पाएंगे। केंद्र ने मणिपुर में मुख्यमंत्री बदल कर नई सरकार में कुकी विधायकों को नुमाइंदगी देते हुए मसले का हल निकालने की कोशिश की। लेकिन उससे बात नहीं बनी है। अतः अब ऐसी जमीनी पहल की जरूरत है, जिसमें दोनों पक्षों का भरोसा और भागीदारी हो।

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

(स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025)

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है।ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं।सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है।सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसी शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है।

इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आईं हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9% बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया।बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और

भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमशः 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4% था, जो 2025 में बढ़कर 2.5% हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7% था, जो 2025 में घटकर 6.9% हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1% कम।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल , चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।

बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि किसी भी देश द्वारा अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे और नुकसान दोनों ही होते हैं। वास्तव में, यह किसी देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सामाजिक विकास पर सीधा प्रभाव डालता है।अत्यधिक सैन्य खर्च के फायदे यह हैं कि इससे किसी देश विशेष की जहां एक ओर राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत होती है, वहीं दूसरी ओर इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ते हैं। सरल शब्दों में कहें तो सेना, रक्षा उद्योग, हथियार निर्माण, अनुसंधान और तकनीकी क्षेत्रों में नौकरियां पैदा होती हैं।अत्यधिक सैन्य खर्च से किसी देश कातकनीकी विकास होता है। वास्तव में रक्षा अनुसंधान से नई-नई तकनीकें विकसित होती हैं, जिनका उपयोग बाद में आम जनता के लिए भी होता है (जैसे इंटरनेट, जीपीएस आदि)। सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी से उस देश विशेष का अंतरराष्ट्रीय प्रभाव बढ़ता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश वैश्विक राजनीति में अधिक प्रभावशाली माना जाता है। इतना ही नहीं एक फायदा यह भी है कि इससे(अत्यधिक सैन्य खर्च से) सेना युद्ध के अलावा बाढ़, भूकंप, महामारी जैसी आपदाओं में भी मदद करती है। वहीं दूसरी ओर अत्यधिक सैन्य खर्च की बात करें तो इसके नुकसान भी कम नहीं हैं। मसलन, इससे शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यापक असर पड़ता है। सरल शब्दों में कहें तो ज्यादा पैसा सेना पर खर्च होने से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास योजनाओं के लिए कम धन बचता है और उस देश विशेष पर आर्थिक दबाव बढ़ता है। यदि कोई देश अत्यधिक सैन्य बजट खर्च करता है तो इससे सरकारी घाटा, कर्ज और महंगाई बढ़ सकती है। इतना ही नहीं, दुनिया में एक दूसरे की देखा-देखी में हथियारों की होड़ बढ़ती है, व तनाव व युद्ध का कारण बनता है।सामाजिक असंतुलन का भी जन्म होता है, जैसा कि यदि जनता गरीबी, बेरोजगारी से जूझ रही हो और सरकार हथियारों पर अधिक खर्च करे, तो असंतोष पैदा हो सकता है।

अतः अंत में निष्कर्ष के तौर पर यही कहूंगा कि आज के समय में यह बात ठीक है किसी भी देश द्वारा अपने देश की संप्रभुता व सुरक्षा को बनाए रखने के लिए सैन्य खर्च बहुत ही जरूरी व आवश्यक है, लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च संतुलित नीति नहीं माना जाता है। अतः किसी भी देश को यह चाहिए कि वह सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास पर भी बराबर ध्यान दे, ताकि वह देश प्रगति व उन्नयन के पथ की ओर अग्रसर हो सके। (-सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

तपती धरती : कारण और समाधान

निर्मल रानी

उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा व प. बंगाल जैसे राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन राज्यों में कई जगहों पर तापमान 40 डिग्री से लेकर 44 डिग्री तक पहुंच गया है। पिछले दिनों भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा हीटवेव अलर्ट भी जारी किया जा चुका है। मौसम विभाग ने अपनी चेतावनी में लू चलने और तापमान में 4 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना को लेकर लोगों को सचेत किया है। पिछले कुछ वर्षों से लगभग हर साल गर्मी के तापमान में इज़ाफ़ा होता ही जा रहा है। जीवन के लिये एकमात्र ग्रह पृथ्वी गत दो दशकों से ग्लोबल वार्मिंग का निरन्तर प्रभाव झेल रही है। इसके अलावा भी वैज्ञानिकों द्वारा भारत में तेज़ गर्मी के और भी कई कई कारण बताये जा रहे हैं। इन कारणों में ख़ासकर जलवायु परिवर्तन के अलावा हीट डोम और अल नीनो प्रभाव को रेखांकित किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार उच्च दबाव प्रणाली गर्म हवा को ज़मीन के पास फंसाकर ढक्कन की तरह काम करती है, जिससे तापमान तेजी से बढ़ता है। परिणाम स्वरूप compression heating से गर्मी और तीव्र हो जाती है। उधर पहले से हो रहा जलवायु परिवर्तन, सूखी मिट्टी और कम वनस्पति (वृक्ष कटान) इसे बढ़ावा देते हैं। इसी को हीट डोम प्रभाव कहा जाता है।

इसके अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों से वैश्विक तापमान बढ़ रहा है। इसने हीटवेव की तीव्रता और इसकी अवधि दोनों को ही बढ़ा दिया है। बताया जा रहा है कि 2026 में दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में 92 शहर केवल भारत में हैं। इन गर्म क्षेत्रों में केवल दिन ही नहीं बल्कि यहां की रातें भी गर्म रहती हैं। इसे सीवियर वार्म नाइट कहते हैं। यह स्थिति जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। साथ ही इस हीट वेव पर अल नीनो का प्रभाव भी बताया जा रहा है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि 2026 में सुपर अल नीनो की आशंका से रिकॉर्ड गर्मी पड़ना भी संभव है। अल नीनो का प्रभाव ही प्रशांत महासागर में गर्म पानी का दौर हवाओं को कमज़ोर कर भारत में गर्मी और कम मानसून लाता है। इसी के साथ गर्मी को बढ़ने में अनियंत्रित शहरीकरण की भी बड़ी भूमिका है। देश में चारों ओर खेत व जंगल वृक्ष निरन्तर कम होते जा रहे हैं। और शहरीकरण के नाम पर कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। लिहाज़ा अर्बन हीट आइलैंड का प्रभाव और कंक्रीट-आधारित विकास इसके लिए ख़ासकर ज़िम्मेदार

हैं। यह कंक्रीट के जंगल दिन में गर्मी को सोखते हैं और रात में इसे छोड़ते हैं। उधर शहरों में होती जा रही पेड़-पौधों की कमी से वातावरण में नमी घटती जा रही है। यही वजह है कि दिल्ली व अहमदाबाद जैसे महानगरों में रातें पूर्व की तुलना में 60% अधिक गर्म होने लगी हैं। शहरों में कंक्रीट, डामर और सीमेंट की पक्की इमारतें सूर्य की गर्मी सोख लेती हैं तथा रात में धीरे-धीरे छोड़ती हैं, जिससे तापमान ग्रामीण क्षेत्रों से 5-10 डिग्री अधिक रहता है। पेड़-पौधों और हरियाली की कमी से वाष्पीकरण घटता है, जो प्राकृतिक शीतलन प्रदान करता। साथ ही वाहनों, एसी और उद्योगों से निकलने वाली गर्मी इसे और भी तीव्र बनाती है। गोया भारतीय शहरों में बढ़ता शहरीकरण बढ़ते तापमान के लिये 60% तक ज़िम्मेदार है। और यही तापमान वृद्धि प्रति दशक 0.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि करता है। शहरीकरण ने गर्मी में 90% इज़ाफ़ा किया है तथा रात्रिकालीन सतह तापमान लगभग 70-80% तक बढ़ा है। मिसाल के तौर पर जमशेदपुर में शहरीकरण ने तापमान वृद्धि में 100% योगदान दिया। ऐसे में सबसे ज्वलंत प्रश्न यही है कि आख़िर तापमान वृद्धि की ज़िम्मेदार हमारी वर्तमान पीढ़ी क्या अपनी आने वाली नस्लों को भी ऐसी ही या इससे भी अधिक तपती पृथ्वी देकर जायेगी या इससे बचने के कुछ उपाय करना चाहेगी ? इसके लिये सबसे पहले भारतीय शहरों में हरित आवरण को विस्तार देने की सख़्त ज़रूरत है। हालाँकि इसके लिये अनेक सरकारी योजनाएं व स्थानीय उपाय प्रभावी हैं जोकि शहरी गर्मी कम करने में हमारी सहायता करते हैं। इसके लिये बाक़ायदा कार्य योजना बनाकर तथा वर्षाऋतु के आरंभ से ही सरकारी और नगर निकाय भूमि पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाये जा सकते हैं। कई राज्य इस दिशा में सक्रियता से काम भी कर रहे हैं। वृक्षारोपण को एक आंदोलन का रूप देने के लिये हर व्यक्ति अपने परिवार के शादी ब्याह,मैरिज एनिवर्सरी,बर्थडे, जन्म मृत्यु बरसी जैसे अवसरों पर वृक्षारोपण कर इन अवसरों को यादगार बनाने के साथ साथ जलवायु को बेहतर बनाने की दिशा में भी अपना क़ीमती योगदान दे सकता है। इसके अलावा हर व्यक्ति जहां ज़मीन कम हो वहां अपने घरों की छतों पर रूफ़ गार्डनिंग कर सकता है और वर्टिकल गार्डन भी लगा सकते हैं। अपने घरों के खुले क्षेत्र में अधिक से अधिक गमले लगाकर भी तापमान को काफ़ी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है तथा ताज़ी ऑक्सीजन प्राप्त की जा सकती है। ग़ौरतलब है कि कोरोना काल में जब देशभर में अचानक कोरोना प्रभावित लोगों के लिये ऑक्सीजन की कमी पैदा हुई थी उस समय लोगों को हरियाली और वृक्षारोपण की ख़ूब याद आई थी। कई बीमार लोग तो खेतों में पेड़ों के नीचे बैठकर स्वास्थ्य लाभ लेते देखे गये। इस आपदा ने ऑक्सीजन को लेकर लोगों में इतनी जागरूकता बढ़ायी कि उसी समय से गमलों व पौधों की नर्सरी का व्यवसाय कई गुना बढ़ गया। बहरहाल भविष्य में तापमान वृद्धि से बचने व इसके दीर्घकालिक उपाय करने के साथ साथ तात्कालिक रूप से शरीर पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभाव से बचाव करना भी बेहद ज़रूरी है। इसके लिए सबसे पहले अपने शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाना और शरीर को हाइड्रेटेड रखना सबसे ज़रूरी है। इसके लिये बहुत सारा पानी पीना चाहिये और बार बार पीना चाहिए। इसके अलावा नारियल पानी, नींबू पानी, सत्तू व ओआरएस जैसे शीतल पेय भी शरीर के तापमान को नियंत्रित रखने में मददगार होते हैं और डिहाइड्रेशन रोकते हैं। ज़ीरा, धनिया या ख़स मिला ठंडा पानी भी इसके लिये बहुत फ़ायदेमंद है। इसके साथ ही अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से भी बचना चाहिये। इसके साथ ही घरों में पर्दे,सनशेड आदि लगाकर धुप को रोका जा सकता है। रात के समय खिड़कियां खुली रखने,पंखा चलने व आवश्यकता हो तो गीले कपड़े पहनने या ठन्डे पानी से नहाने व पैरों को ठन्डे पानी में भिगोकर रखने से भी प्रचंड गर्मी से राहत पाई जा सकती है। इस मौसम में आहार में भी सावधानियां बरतने की ज़रुरत है। हल्का व पौष्टिक भोजन लेना चाहिये। जंक फ़ूड को तो पूरी तरह नज़रअंदाज़ करना चाहिए। इसप्रकार से धरती के इस बढ़ते तापमान का हम किसी हद तक मुक़ाबला कर सकते हैं।

युद्ध की आशंकाओं के बीच आशा का सेतु

ललित गर्ग

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों मंव नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक 'ट्रिगर पॉइंट' के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों को अपनी नौकरी में उच्च अधिकारियों के द्वारा शुभ समाचार मिलेगा। मित्रों की सहायता से आपको नए-नए कांटेक्ट मिलेंगे। आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने में कामयाब रहेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए आनंदायक रहने वाला है। आपको अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना है। आपके मित्र आपसे मिलने आएगा, जिनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। जो लोग घर से दूर रहकर नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने परिवार की याद आएगी। अगर आपने पहले निवेश किया हुआ है तो उसका भी पूरा लाभ मिलेगा।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। प्रतिदिन की दिनचर्या में सैर को शामिल करेंगे, जिससे आप अपने आप को काफी ऊर्जावान महसूस करेंगे। रिश्तेदार आपसे आर्थिक मदद मांग सकते है आप उसे निराश नहीं करेंगे। अपनी सामर्थ्य के अनुसार सहायता करेंगे। आपका ऊर्जा स्तर ऊंचा रहेगा। आप अपने रुके हुए सभी कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। परिवार के सभी लोग मिलकर किसी पार्टी में सम्मिलित होंगे, जहां अन्य लोगों से मेल-मिलाप होगा। किसी खास व्यक्ति से हुई मुलाकात से आपका रुका हुआ काम पूरा करायेगी। आज बच्चे स्कूल का काम पूरा करने के लिए आप से मदद ले सकते हैं।

सिंह राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे। आपको काफी समय से चल रही स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा। बिना किसी अनुभवी शख्स की सलाह के आज ऐसा भी काम ना करें, जिसमें आपको कॉन्फिडेंस न हो।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है। इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। आज आपको बेवजह की उलझन लेने से बचने की जरूरत है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप किसी मनपसंद जगह पर ट्रांसफर ले सकते हैं। आपको उम्मीद से अधिक लाभ की संभावना बढ़ेगी। अगर मन में बात आपको परेशान कर रही है, तो अपने दोस्तों से इस बारे में बात करें, आपको अच्छा सलूशन मिल सकता है। आप जीवनसाथी के साथ छोटी-छोटी बातों में नोंक-झोंक करने से बचें।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा। आपके बॉस आपको एप्रिशिएट करेंगे। आपके सगे संबंधी आपके सहयोग के लिए तत्पर दिखायी देंगे। बिजनेस के लिहाज से की गई यात्राएं आपके लिये लाभकारी होगी।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपकी धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आप किसी विशेष काम का हिस्सा बन सकते हैं। लंबे समय से फंसा हुआ धन आज आपको वापस मिल सकता है। जो लोग स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े हैं, उनके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। आज आप खुद पर विश्वास करेंगे और अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके काम में लगायेंगे। छात्रों को आज बड़ी सफलता मिलने के योग बने हुए है।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस जुड़े हुए हैं तो आपके के लिए लाभ के योग हैं आप अपने काम में परिवर्तन लाने का मन बना सकते हैं। दांपत्य रिश्ते में मधुरता लेन के लिए आप कुछ नया करेंगे। इस दौरान आप नेगेटिव विचारों से बचें। आज आप बिजनेस मीटिंग अटेंड करने जा सकते हैं। जिसमें आपको सफलता मिलेगी। आपकी बातों को महत्व दिया जाएगा।

कुंभ राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहने वाला है। आज मेहनत का परिणाम आपके फेवर में होगा। समाज में आपके काम को सराहा जायेगा। शाम का समय आप अपने परिवार के साथ बिताएंगे, परिवार में हंसी ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। अपना ध्यान ईश्वर भक्ति में लगाये मन शांत रहेगा। दांपत्य जीवन शानदार रहेगा, जीवनसाथी आज आपको प्रसन्न होने की वजह देंगे। छात्र आज किसी प्रतियोगी परीक्षा का फॉर्म भरने का मन बनायेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आप फाइनेंस डिपार्टमेंट या सेल्स में काम करते हैं तो आपको आपकी नॉलेज से काफी फायदा होगा। वैवाहिक जीवन में स्थिति अच्छी रहने वाली है। लेकिन समय के साथ सब ठीक हो जाएगा। रिश्तों में ईमानदारी बनाए रखें, आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके अंदर कॉन्फिडेंस बना रहेगा। आज कारोबार से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे होंगे, आप नए काम पर पूरा फोकस करेंगे। आज आप बच्चों से नई बात सीख सकते हैं। साथ ही जीवनसाथी की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

मोहसिन फिटनेस बनाये रखें तो उनका भारतीय टीम में जगह मिलना तय : इरफान पठान

एजेंसी, नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से शानदार प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज मोहसिन खान की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह इसी प्रकार खेलता रहे तो उसे

भारतीय टीम में जगह मिलना तय है। पठान ने कहा है कि मोहसिन को केवल अपनी फिटनेस बनाये रखनी होगी क्योंकि अधिकतर तेज गेंदबाज चोटों के कारण अपने करियर में पिछड़ जाते हैं। पठान का मानना है कि अगर यह युवा गेंदबाज अपनी फिटनेस बरकरार रख पाता है, तो उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से कोई इंसानी ताकत नहीं रोक सकती। पठान ने जोर देकर कहा कि मोहसिन में देश का प्रतिनिधित्व करने की पूरी क्षमता है। मोहसिन ने जिस प्रकार कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ केवल चार ओवर में सिर्फ 23 रन देकर पांच विकेट हासिल किए उससे उससे पठान प्रभावित हैं। इस प्रभावशाली स्पेल में इस गेदबाज की गति, उछाल और सटीक गेंदबाजी साफ झलक रही थी। पठान ने कहा कि वह दबाव बनाकर पहले मेडन ओवर डालते हैं और फिर विकेट लेते हैं। उन्होंने कहा कि मोहसिन ने वैभव सूर्यवंशी और टिम सीफर्ट जैसे बल्लेबाजों के खिलाफ भी यही रवैया अपनाया था। पठान ने मोहसिन की प्रशंसा करते हुए कहा, अगर वह फिट रह सके, तो कोई भी उसे भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने से नहीं रोक सकता। उसकी फिटनेस ही एकमात्र बाधा है क्योंकि वह लंबे समय तक चोटिल रहता है। पठान ने मोहसिन के बाएं हाथ के एंगल और उनकी लंबाई के कारण मिलने वाले अतिरिक्त उछाल को उनकी सबसे बड़ी ताकत बताया। ह हमेशा किफायती स्पेल डालता है और जब वह गुड लेंथ पर गेंदबाजी करता है, तो बल्लेबाजों को रन बनाना बेहद कठिन हो जाता है।

हालांकि, मोहसिन के करियर में चोटें एक बड़ी चिंता का विषय रही हैं। 2022 में डेब्यू करने के बावजूद, उन्होंने अभी तक किसी भी आईपीएल सीजन में दस से ज्यादा मैच नहीं खेले हैं। इस चोट की चिंता पर पठान ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन उसकी गेंदबाजी एक्शन उसके शरीर पर बहुत दबाव डालता है।

पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने हार के लिए खराब गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, मुल्लांपुर

पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल में मिली पहली हार से बेहद नाराज दिखे। श्रेयस ने हार के लिए खराब गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया है। लीग में पंजाब की ये पहली हार है हालांकि वह इसके बाद भी अंक तालिका में नंबर एक स्थान पर बनी हुई है। पंजाब किंग्स ने इस मैच में मार्कस स्टोइनिस की आक्रामक पारी से चार विकेट पर 222 रन बनाये थे। वहीं राजस्थान रॉयल्स ने अंतिम ओवर में ये लक्ष्य हासिल कर लिया। राजस्थान ने चार विकेट पर ही 223 रन बना दिये। हार के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाराजगी जताते हुए कहा, '222 एक अच्छा स्कोर था। कठिन पिच पर ये लक्ष्य हासिल करना आसान नहीं था पर हमारे गेंदबाजों ने खराब प्रदर्शन किया जिससे राज्स्थान की टीम लक्ष्य हासिल करने में सफल रही। ये भी कहा जा सकता है कि आज हमारा दिन नहीं था हालांकि अभी भी हम अपनी रणनीति पर बरकरार रहेंगे। लगातार खेलने से थकान भी हुई है पर इससे बहाना नहीं बनाय जा सकता है। यह सत्र में हमारी पहली हार है पर इसका बहाना नहीं बनाया जा सकता है।

इससे सबक लेते हुए हमें बेहतर गेंदबाजी करने का ध्यान देना होगा। हमें इस हार के कारणों को देखते हुए आगे के मैचों के लिए सुधार करना होगा। इस मैच में पंजाब किंग्स ने मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 222 रन बनाये।वहीं राजस्थान ने ये लक्ष्य चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टी20 विश्वकप के लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा : हरमनप्रीत

एजेंसी, बेनोनी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। टी20 विश्वकप जुलाई में इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम को यहां जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा है उसपर हरमनप्रीत ने नाराजगी जतायी है और कहा है कि अब इस प्रकार की गलती नहीं की जा सकती है। कप्तान ने साफ कर दिया है कि अब टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय टीम यहां अंतिम मैच में 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और केवल 23 रनों से हार मिली, उस कमजोरियों को हमें दूर करना होगा। इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक दो महीने पहले मिली इस हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। इसी को देखते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हमें एक समूह के तौर पर साथ बैठकर सोचना होगा कि आगे कैसे बढ़ना है। यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन इसमें हमारे लिए बहुत सी सकारात्मक बातें और सीखने के लायक चीजें भी हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि टीम को लगातार कड़ी मेहनत करते रहने की जरूरत है ताकि विश्वकप की अच्छे से तैयारी की जा सके। हरमनप्रीत ने कहा कि पॉवरप्ले में भी हमारी टीम पर्याप्त रन नहीं बना पायी और इस कमी को भी हमें दूर करना होगा।

बाबर ने डु प्लेसिस का रिकार्ड तोड़ा, टी20 कप्तान के तौर पर सबसे अधिक शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

एजेंसी, लाहौर। पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इस शतक के साथ ही आजम टी20 क्रिकेट में कप्तान के तौर पर सबसे अधिक नौ शतक लगाने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गए है। आजम ने पीएसएल क्वालिफायर में पेशावर जाल्मी की कप्तानी करते हुए इस्लामाबाद यूनाइटेड के खिलाफ 59 गेंद में 12 चौक और चार छक्के लगार 103 रन बनाये। इस शतक के साथ ही आजम ने डु प्लेसिस को पीछे छोड़ दिया। डु प्लेसिस के नाम टी20 कप्तान के तौर पर आठ शतक हैं। डु प्लेसिस ने अपने शतक 216 मैचों में बनाये थे जबकि बाबर ने केवल 154 मैचों में ही इस रिकार्ड को तोड़ दिया। आजम ने इस प्रकार दस मैचों में 84 की औसत और 146.26 के स्ट्राइक रेट से 588 रन बनाकर साबित किया है कि अभी उनकी बल्लेबाजी की चमक गयी नहीं हैं। इससे उनकी पाक टीम में वापसी की उम्मीदें बन रही हैं। पीएसएल में इस सत्र में ही बाबर ने अब तक चार शतक लगाये हैं। इससे पहले उन्होंने साल 2022 और 2023 में एक-एक शतक लगाया था। इसके साथ ही उन्होंने लीग इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में उस्मान खान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

एमेलिया की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप में उतरेगी न्यूजीलैंड

एजेंसी, ऑकलैंड

न्यूजीलैंड की टीम जुलाई में होने वाले टी20 महिला विश्वकप 2026 में एमेलिया केर की कप्तानी में उतरेंगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इंग्लैंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा खिलाड़ियों नेन्सी पटेल और इजी शार्प को भी पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा ब्री इलिंग और पॉली इंग्लिस भी टीम में शामिल की गयी हैं। न्यूजीलैंड की टीम ने पिछले कुछ समय से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। पिछले आठ टी20 मैचों में से उसे सात में जीत मिली है। टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर को उम्मीद है टीम जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। सॉयर ने कहा, "जब भी आपको अपने देश की ओर से खेलने का अवसर मिलता है, वह सम्मान की बात होती है वहीं विश्वकप में तो बात ही कुछ और होती है। सभी खिलाड़ी इंग्लैंड जाने का लेकर उत्साहित अनुभव कर रहे हैं। ये विश्वकप इसलिए भी टीम के लिए अहम है क्योंकि ये तीन अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, लिया ताहुहु और सूजी बेट्स का अंतिम टूर्नामेंट है। इसके बाद ये तीनो ही संन्यास ले लेंगी। ऐसे में टीम का लक्ष्य इन तीनों दिग्गजों को जीत के साथ विदा करना रहेगा।" वहीं इनके संन्यास को लेकर कोच सॉयर ने कहा कि तीन अनुभवी खिलाड़ियों का एक ही टूर्नामेंट में संन्यास लेना विशेष अवसर की तरह रहेगा।

बिजनेस

भारत में पहली बार स्वर्ण आभूषणों से ज्यादा रही निवेश की मांग: डब्लूजीसी

- देश में पहली तिमाही में सोने की मांग 10 फीसदी बढ़कर 151 टन पर
- पहली बार सोने में निवेश की मांग ने आभूषण खरीद को पीछे छोड़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत में हमेशा से आभूषणों के रूप में सोना खरीदने की परंपरा रही है लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। सोने की निवेश मांग ने आभूषण बनाने के लिए सोने की खरीद को पीछे छोड़ दिया है। देश में पहली बार निवेश में 86 मीट्रिक टन सोना इस्तेमाल हुआ, तो गहनों में सिर्फ 66 मीट्रिक टन सोने की खपत हुई है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्लूजीसी) ने बुधवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में बताया कि 31 को समाप्त मार्च तिमाही के दौरान भारत में निवेश की मांग पिछले साल के मुकाबले 52 फीसदी बढ़कर 82 मीट्रिक टन हो गई, जबकि आभूषणों की मांग 19.5 फीसदी गिरकर 66 मीट्रिक टन रह गई। रिपोर्ट में बताया कि मार्च तिमाही में भारत में सोने की निवेश मांग पहली बार आभूषणों की खपत से ज्यादा हो गई क्योंकि इक्विटी बाजार में कम रिटर्न मिलने के कारण निवेशकों ने इस कीमती धातु की ओर रुख किया। डब्लूजीसी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सोने के उपभोक्ता देश में निवेश की मजबूत मांग ने कीमतों में तेज़ी के कारण गहनों की खरीद में आई गिरावट की कुछ हद तक भरपाई कर दी, जिससे कुल मांग स्थिर बनी रही। डब्लूजीसी के भारतीय संचालन के मुख्य कार्यकारी सचिन जैन ने बताया, "पहली बार निवेश की मांग गहनों की मांग से ज़्यादा हो गई है।" "आने वाली तिमाहियों में निवेश की मांग और भी ज़्यादा अहम हो जाएगी क्योंकि फ़ाइनेंशियल और रिटेल दोनों तरह के निवेशक सोने में ज़्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं।" आंकड़ों के मुताबिक मार्च तिमाही के दौरान देश में कुल सोने की खपत 10.2 फीसदी बढ़कर 151 मीट्रिक टन पहुंच गई। पहली बार निवेश मांग ने कुल खपत में आभूषणों से ज्यादा हिस्सा लिया, जो तिमाही में 54.3 फीसदी तक रहा है। आमतौर पर निवेश मांग भारत की कुल सोने की खपत का लगभग एक चौथाई होती है, लेकिन बढ़ती कीमतों के कारण निवेशक सिक्के, बार और गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) खरीद रहे हैं। डब्लूजीसी के मुताबिक मार्च तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में निवेश एक साल पहले की तुलना में 186 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 20 मीट्रिक टन हो गया। आंकड़ों के अनुसार दरअसल हाल के तिमाहियों में कमजोर शेयर बाजार प्रदर्शन के कारण निवेशक गोल्ड ईटीएफ की ओर आकर्षित हो रहे हैं और यह रुझान आगे भी जारी रहने की संभावना है। घरेलू सोने की कीमतें साल 2025 की शुरुआत से लगभग दोगुनी हो गई हैं, जबकि भारत का बेंचमार्क निफ्टी 50 इस अवधि में 2.4 फीसदी बढ़ा है।

स्टॉक मार्केट में सिटियस ट्रांसनेट की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में प्रीमियम एंट्री करने सफलता हासिल की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इनकी लिस्टिंग 4.5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 104.50 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 4.6 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 104.60 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से उछल कर 107.13 रुपये के स्तर पर पहुंचा। हालांकि बाद में मुनाफा वसूली के कारण हुई बिकवाली के कारण इसमें मामूली गिरावट भी आई। पूरे दिन के कारोबार के बात ये शेयर एनएसई पर 6.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.23 रुपये के स्तर पर और बीएसई पर 5.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.93 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। सिटियस ट्रांसनेट इनवेस्टमेंट ट्रस्ट का 1,105 करोड़ रुपये का आईपीओ 17 से 21 अप्रैल के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 20.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 23.21 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 17 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इस पब्लिक इश्यू का 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व रखा गया था, जबकि 25 प्रतिशत हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व रखा गया था। सिटियस ट्रांसनेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 6454.01 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 774.12 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 417.75 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 219.05 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हो चुका है।

भारत-केन्या संयुक्त व्यापार समिति की बैठक में व्यापार संबंधों को मिली गति

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत–केन्या संयुक्त व्यापार समिति की 10वीं बैठक नैरोबी में आयोजित की गई, जिसमें द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया। केन्या के लिए भारत एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार के रूप में उभरा है, जबकि दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़कर 4.31 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि भारत-केन्या के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। भारत और केन्या संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) का 10वां सत्र 27-28 अप्रैल को नैरोबी में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और आर्थिक सहयोग की समीक्षा करना और उसे सुदृढ़ बनाना था। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार में लगातार वृद्धि का उल्लेख किया, जिसमें भारत केन्या के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों में से एक के रूप में उभरा है। भारत और केन्या के बीच वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यापार 4.31 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है, जो वित्त वर्ष 2024-25 के 3.45 अरब अमेरिकी डॉलर से 24.91 फीसदी की वृद्धि है। मंत्रालय ने कहा कि इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव राजेश अग्रवाल और केन्या गणराज्य के व्यापार राज्य विभाग की प्रधान सचिव रेजिना अकोटा ओम्बम ने की। यह बैठक व्यापार विविधीकरण को बढ़ाने, बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों को हल करने और इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में पूरकर्ताओं का लाभ उठाने पर केंद्रित थी।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत भी बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक लिवालों और बिकवालों के बीच मामूली खींचतान भी हुई, जिसके कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में मामूली उतार-चढ़ाव भी होता रहा। हालांकि पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इन दोनों सूचकांकों की मजबूती लगातार बढ़ने लगी। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। आज प्रातः 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से मारुति सुजुकी, आईटीसी, आयशर मोटर्स, मैक्स हेल्थकेयर और टेक महिंद्रा के शेयर 4.14 प्रतिशत से लेकर 1.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर 1.89 प्रतिशत से लेकर 0.75 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,617 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,942 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में जबरदस्त कमजोरी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में आज शुरुआती कारोबार के दौरान कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,550 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत में 1,320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,440 रुपये प्रति 10 तक की गिरावट दर्ज की गई है। घरेलू सर्राफा बाजार में हाजिर सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,53,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज हाजिर सोना 0.12 प्रतिशत गिर कर 4,576.07 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चांदी भी आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में 73.18 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर ट्रेड कर रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

खलनायक रिटर्न्स में नए रुप में दिखाई देंगे बल्लू बलराम

साल 1993 की ब्लॉकबस्टर फिल्म खलनायक का अमर एंटी-हीरो किरदार बल्लू बलराम अब खलनायक रिटर्न्स में नए रूप में दर्शकों के सामने आने वाला है। अपकमिंग फिल्म की आधिकारिक घोषणा के बाद मूल फिल्म के निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने संजय दत्त के नए किरदार का पोस्टर साझा करते हुए अपनी अपार खुशी और उत्साह व्यक्त किया है। सुभाष घई ने अपने प्रोडक्शन हाउस मुक्ता आर्ट्स लिमिटेड की ओर से जारी बयान में लिखा, ''हम सभी यह देखकर बहुत खुश हैं कि हमारे प्यारे संजू खलनायक रिटर्न्स के साथ वापस आ गए हैं। मीडिया को इसका एक जबरदस्त टीजर दिखाया गया, जिसे सबने खूब सराहा।'' उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बल्लू बलराम जैसे एक आइकोनिक किरदार को दोबारा निभाना संजय दत्त के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि दर्शक इस किरदार से बेहद भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद, उन्होंने पूरा भरोसा जताया कि संजय इस बार भी अपने गहन अभिनय और विशिष्ट अंदाज़ से सभी को प्रभावित कर देंगे और अपनी काबिलियत को एक बार फिर साबित कर देंगे। घई ने संजय दत्त और खलनायक रिटर्न्स की पूरी टीम के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं, जो इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हुई है। संजय दत्त ने शुक्रवार को खुद मुंबई में एक भव्य इवेंट के दौरान खलनायक रिटर्न्स फिल्म की आधिकारिक घोषणा की। यह फिल्म 1993 की मूल खलनायक का सीधा सीक्वल या नया संस्करण बताई जा रही है, जो उस समय बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। मूल फिल्म में संजय दत्त ने खलनायक बल्लू बलराम का रोल किया था, जो उस समय के सबसे चर्चित और यादगार किरदारों में से एक रहा। बल्लू बलराम का किरदार आज भी दर्शकों की यादों में ताजा है और इसे भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित एंटी-हीरो में से एक माना जाता है। मूल फिल्म खलनायक उस समय की एक कल्ट क्लासिक बन गई थी, जिसमें संजय दत्त के अलावा माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के गाने और डायलॉग आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बन चुके हैं। इवेंट के दौरान, संजय दत्त ने बताया कि उनकी कंपनी 'श्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स' और अक्षा कंबोज की 'एस्पेक्ट एंटरटेनमेंट' ने सुभाष घई की मुक्ता आर्ट्स से क्लासिक फिल्म 'खलनायक' के सीक्वल के अधिकार खरीद लिए हैं। इसी कार्यक्रम में खलनायक रिटर्न्स का एक छोटा टीजर भी जारी किया गया, जिसमें संजय दत्त अपने मशहूर किरदार 'बल्लू बलराम' के नए और दमदार अवतार में नज़र आए, जिसने उपस्थित सभी लोगों को रोमांचित कर दिया। संजय ने सुभाष घई को शुक्रिया अदा करते हुए कहा, ''खलनायक का सफर बहुत लंबा रहा है। सुभाष जी के बिना यह मुमकिन नहीं था। वह एक लीजेंड हैं और एंटरटेनमेंट की दुनिया के बेताज बादशाह हैं। वे इस नई फिल्म का भी हिस्सा होंगे।''

रश्मिका मंदाना की मैसा का केरल शेड्यूल शुरू

केचा मास्टर के निर्देशन में शूट होंगे 15 दिनों के जबरदस्त एक्शन सीन्स

साउथ सिनेमा की खूबसूरत हसीना रश्मिका मंदाना की मैसा 2026 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होने वाली है. अपनी वर्सटालिटी और स्क्रीन प्रेजेंस के लिए मशहूर रश्मिका इस फिल्म में एक जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आएंगी, जो उनकी इमेज को पूरी तरह बदल सकता है. हाल ही में आए एक पोस्टर ने उनके इंटेंस ट्रांसफॉर्मेशन की झलक दिखाई थी. खबरों की मानें तो रश्मिका फिल्म के डिमांडिंग एक्शन सीन्स के लिए कड़ी मेहनत और डेली ट्रेनिंग कर रही हैं. हाई-इम्पैक्ट स्टंट्स से लेकर फिजिकली चैलेंजिंग सीन्स तक, वो कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं. फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ाते हुए मेकर्स ने अब एक नया वीडियो शेयर किया है, जिसमें बताया गया है कि केरल में 15 दिनों का शूटिंग शेड्यूल शुरू हो चुका है. इस हाई-ऑक्टेन शेड्यूल की एक्शन कोरियोग्राफी केचा मास्टर कर रहे हैं. वीडियो में रश्मिका एक्शन डायरेक्टर के साथ घने जंगलों के बीच कॉम्बैट मूव्स की रिहर्सल करती दिख रही हैं, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में बेहद रॉ और खतरनाक एक्शन सीक्वेंस होंगे. साफ है कि मैसा में रश्मिका का एक पावरफुल एक्शन अवतार देखने को मिलने वाला है. वीडियो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मैसा एक्शन में वापस आ गई है, केरल में फिलहाल 15 दिनों का एक हाई-ऑक्टेन शेड्यूल चल रहा है, जिसकी एक्शन कोरियोग्राफी जैकास्टंट्स मास्टर द्वारा की जा रही है. रश्मिका मंदाना अपने अब तक के सबसे विस्फोटक और इंटेंस अवतार में पर्दे पर आग लगाने के लिए तैयार हैं. फिल्म के विजुअल स्टोरीटेलिंग सिनेमैटोग्राफर श्रेयस कृष्णा ने तैयार किए हैं, जबकि इसका म्यूजिक जेक्स बेजॉय ने कंपोज किया है. फिल्म के एक्शन लेवल को बढ़ाने के लिए, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर स्टंट कोरियोग्राफर एंडी लॉन्ग इस महत्वाकांक्षी एंटरटेनर के हाई-इंटेंसिटी सीन्स को डिजाइन कर रहे हैं. अनफॉर्मूला फिल्म्स द्वारा निर्मित और रविंद्र पुल्ले द्वारा निर्देशित, मैसा आदिवासी इलाकों पर आधारित एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जो दमदार विजुअल्स, एक दिलचस्प कहानी और रश्मिका की यादगार परफॉरमेंस का वादा करती है.

गीता बसरा ने बांधे दिलजीत दोसांझ के तारीफों के पुल

मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के करिश्माई व्यक्तित्व को देखते हुए पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री गीता बसरा ने उन्हें मनोरंजन का फुल पैकेज बताया है। दिलजीत के कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं।

पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान, गीता बसरा ने आईएएनएस के साथ अपनी बातचीत में दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की और उन्हें अपना ऑल-टाइम फेवरेट पंजाबी कलाकार बताया। गीता ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। उन्होंने कहा, दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि एक शानदार गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक लाजवाब सिंगर होने के साथ-साथ एक कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं, जो हर मंच पर अपना सौ प्रतिशत देते हैं। गीता बसरा ने इस बात पर भी जोर दिया कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी है। वे कहती हैं, जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने अपनी कला से दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं और उनकी मेहनत, लगन व प्रतिभा की कायल हूं।

दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज, अपनी जड़ों से जुड़ाव और बेबाक व्यक्तित्व ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी ऊर्जा हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है। दिलजीत दोसांझ जल्द ही दर्शकों के लिए एक और खास फिल्म मैं वापस आऊंगा लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 1947 के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक अधूरी प्रेम कहानी को दर्शाती है, जिसमें भावनाओं और ऐतिहासिक घटनाओं का सुंदर मिश्रण है। इस फिल्म में दिलजीत के साथ वेदांग रैना, शरवरी वाघ और दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

ब्लश से बढ़ जाएगी आपके गालों की लाली, इसे इस तरह करना चाहिए इस्तेमाल

ब्लश ब्लश एक प्रसिद्ध मेकअप उत्पाद है, जो गालों को गुलाबी बनाने और चेहरे पर लाली लाने में मदद करता है। हालांकि, जिन्होंने नया-नया मेकअप करना शुरू किया हो, उनके लिए इसे सही तरीके से लगाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ खास मेकअप टिप्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से हर बार आपका ब्लश अच्छे से लगेगा। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने चेहरे पर लाली ला सकती हैं। ब्लश खरीदते समय सबसे पहले सही रंग का चयन करना जरूरी है। अगर आपकी त्वचा गोरी है तो हल्के गुलाबी या पीच टोन वाले ब्लश चुनें। मध्यम त्वचा वाले लोग म्यूटेड पिंक या कोरल रंग चुन सकते हैं। गहरे रंग की त्वचा वाले लोगों को ब्रोंज या डार्क पिंक रंग पसंद आ सकते हैं। सही रंग चुनने से आपका चेहरा तरोताजा और प्राकृतिक लगेगा, जिससे आपका लुक और भी निखर उठेगा।

ब्लश लगाते समय ब्रश के बजाय उंगलियों का इस्तेमाल करें। इससे ब्लश समान रूप से फैलता है और आपकी त्वचा में एक प्राकृतिक चमक आती है। बस अपनी उंगलियों पर थोड़ा-सा ब्लश लेकर गालों पर हल्के हाथों से थपथपाएं। यह तरीका न केवल आसान है, बल्कि इससे आपका मेकअप भी ज्यादा लंबे समय तक टिकता है। इसके अलावा यह तरीका आपके चेहरे को एक ताजगी भरा लुक भी देता है, जिससे आपका चेहरा और भी सुंदर लगता है। अगर आप चाहती हैं कि आपका ब्लश पूरे दिन टिका रहे तो इसके नीचे एक हल्का प्राइमर लगाएं। प्राइमर आपकी त्वचा को चिकना बनाएगा और ब्लश को बेहतर तरीके से पकड़ने में मदद करेगा। इसके लिए एक हल्का-सा प्राइमर लें और उसे अच्छे से फैलाएं। इसके ऊपर ही बेस मेकअप करें और उसके ऊपर से ब्लश को फैला लें। इससे न केवल आपका मेकअप लंबे समय तक टिका रहेगा, बल्कि आपका चेहरा भी तरोताजा और चमकदार लगेगा। आजकल बाजार में ऐसे ब्लश स्टिक्स मिलते हैं, जिन्हें आप गालों, आंखों और होठों पर इस्तेमाल कर सकते हैं। ये बहुत ही सुविधाजनक होती हैं, क्योंकि इनसे कई उत्पादों का काम एक ही साथ हो जाता है और मेकअप जल्दी हो जाता है। इनका फॉर्मूला ऐसा होता है कि ये त्वचा में आसानी से समा जाता है। ऐसे ब्लश स्टिक का इस्तेमाल करने से आपका पूरा लुक और भी निखर आता है और आपको ताजगी भरा महसूस होता है। ब्लश लगाते समय सही मात्रा का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। ज्यादा ब्लश लगाने से आपका चेहरा बनावटी दिख सकता है, इसलिए हमेशा थोड़ी मात्रा में ही ब्लश लगाएं। शुरुआत में थोड़ी-सी मात्रा लें और जरूरत पड़ने पर फिर से लगाएं, ताकि आपका चेहरा प्राकृतिक दिखे। इन आसान, लेकिन प्रभावी हैक्स की मदद से आप अपने मेकअप रूटीन को आसान और मजेदार बना सकती हैं। इनसे न केवल आपका मेकअप बेहतर होगा, बल्कि आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

प्रियंका चोपड़ा बनीं इस बायोपिक का हिस्सा कैमियो से जीतने आएंगी फैंस का दिल

ग्लोबर सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा भले ही विदेश में रहती हों, लेकिन भारत में उनका आना-जाना लगा रहता है। इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म वाराणसी है, जिसका निर्माण एसएस राजामौली कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि उन्होंने देश में रहते हुए ही एक बायोपिक फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। इस परियोजना के बारे में ज्यादा जानकारी तो सामने नहीं आई है, लेकिन चर्चा है कि प्रियंका को इसमें एक कैमियो करते हुए दिखाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म का नाम अमरी है, जो हंगरी-भारतीय चित्रकार अमृता शेर-गिल की बायोपिक है। सूत्र ने बताया कि प्रियंका हाल ही में भारत में थीं। एक अन्य प्रतिबद्धता पूरी करने के बाद उन्होंने फिल्म की शूटिंग की। उन्होंने कहा, फिल्म का उद्देश्य हंगरी, भारत और फ्रांस में चित्रकार के जीवन को दर्शाना है। फिल्म में एक विशेष हिस्सा था जिसके लिए पिछले साल प्रियंका से संपर्क किया गया था, और उन्होंने पिछले सप्ताह इसकी शूटिंग की। फिल्म का निर्माण भारतीय-अमेरिकी फिल्म निर्माता मीरा नायर कर रही हैं। प्रियंका एक विशेष भूमिका निभाएंगी। वहीं अमृता शेर-गिल की मुख्य भूमिका के लिए अभिनेत्री तान्या मानिकतला को कास्ट किया गया है। बता दें, अमृता शेर-गिल 20वीं सदी की मशहूर हंगेरियन-भारतीय चित्रकार थीं, जिन्हें आधुनिक भारतीय कला का अग्रणी माना जाता है। 19 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पेंटिंग यंग गर्ल्स के लिए स्वर्ण पदक जीतने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई महिला होने का गौरव हासिल किया था।

ये 5 संकेत बता सकते हैं कि आपके शरीर का बढ़ रहा है तापमान, बरतें सावधानी

गर्मी के मौसम में शरीर का तापमान बढ़ना आम बात है। हालांकि, अगर यह जरूरत से ज्यादा बढ़ जाए तो यह कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। शरीर के गर्म होने पर कई संकेत मिलते हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताते हैं, जो शरीर के तापमान के बढ़ने का संकेत दे सकते हैं ताकि आप समय रहते सावधानी बरत सकें और गंभीर समस्याओं से बच सकें। अगर आपको गर्मियों में सिरदर्द की समस्या होने लगे तो इसे नजरअंदाज न करें। यह शरीर के अधिक तापमान बढ़ने का संकेत हो सकता है। आमतौर पर यह समस्या धूप में लंबे समय तक रहने या अधिक मेहनत करने से होती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें, खूब पानी पिएं और ठंडे पेय का सेवन करें। इसके अलावा सिरदर्द को दूर करने के लिए ठंडी पट्टी भी लगा सकते हैं। अगर आपको अचानक चक्कर आने लगे तो समझ जाइए कि आपका शरीर अधिक गर्म हो रहा है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक सूरज की रोशनी में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे शरीर का तापमान असंतुलित हो जाता है, जिससे चक्कर आने लगते हैं। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। अगर आपको उल्टी आने की समस्या होने लगे तो यह भी शरीर के अधिक गर्म होने का संकेत हो सकता है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक सूरज की रोशनी में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे शरीर का तापमान असंतुलित हो जाता है, जिससे उल्टी आने लगती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। अगर आपकी त्वचा ज्यादा गर्म होने पर लाल पड़ने लगे तो समझ जाइए कि आपका शरीर अधिक गर्म हो रहा है। आमतौर पर यह समस्या धूप में लंबे समय तक रहने या अधिक मेहनत करने से होती है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें, ठंडे पानी से नहाएं और त्वचा को ठंडा रखने वाले जेल या लोशन का इस्तेमाल करें। अगर आपको सांस लेने में दिक्कत होने लगे तो यह भी शरीर के अधिक गर्म होने का संकेत हो सकता है। यह स्थिति खासकर तब होती है, जब कोई व्यक्ति अधिक देर तक धूप में रहता है या अधिक मेहनत करके खुद को प्यासा कर लेता है। इससे बचने के लिए ठंडे स्थान पर आराम करें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। इसके अलावा सांस लेने में दिक्कत होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

Uninterrupted Supply of Domestic LPG Continues Across the Country: Centre

New Delhi. Amidst the evolving situation in West Asia, the government stated on Wednesday that the supply of domestic cooking gas (LPG) is continuing smoothly and without interruption across the entire country. The government noted that no reports of any shortages have been received from LPG distributors. Furthermore, online bookings have reached an all-time high. Addressing an inter-ministerial press conference held in New Delhi, Sujata Sharma, Joint Secretary at the Ministry of Petroleum and Natural Gas, stated that no reports of stock depletion have been received from any LPG distributor anywhere in the country. She remarked, "While LPG imports have been impacted due to the crisis in West Asia, our domestic LPG supply continues without any interruption." Sujata Sharma

reiterated that no reports indicating any form of shortage have been received from LPG distributors. She added that online LPG bookings, as well as domestic cooking gas deliveries based on authentication codes, have also reached their highest levels to date. Sharma informed reporters that the Government of India has doubled the supply of 5-kilogram cylinders. In the month of February, approximately 21 lakh (2.1 million) 5-kilogram cylinders were sold. She noted that, so far in April, approximately 21.05 lakh (2.105 million) 5-kilogram cylinders have already been sold. The Joint Secretary of the Ministry of Petroleum and Natural Gas stated that, to date, Public Sector Undertaking (PSU) oil marketing companies have organized approximately 9,550 awareness camps, through which around 1.5 lakh (150,000) 5-kilogram cylinders have been sold. Sujata Sharma concluded by saying, "Retail outlets are functioning normally, and adequate stock is available. The stock of crude oil is also sufficient." "Refineries are operating at their full capacity." He stated that 8,900 tonnes of propylene and 950 tonnes of butyl acrylate have been sold by refineries located in Mumbai, Kochi, Visakhapatnam, Chennai, Mathura, and Gujarat. Enforcement actions have also continued. Meanwhile, Mukesh Mangal, Additional Secretary at the Ministry of Ports, Shipping and Waterways, informed that Shipmin India has been closely monitoring the situation—in coordination with the Ministry itself, as well as the Ministries of Petroleum and Natural Gas and Fertilizers—up until April 28. He added that the DG Shipping Control Room has handled over 8,000 calls and 17,000 emails to date, including 114 calls and 276 emails received within the last 24 hours. Mukesh Mangal further noted that the Directorate General of Shipping has ensured the safety of 2,829 Indian seafarers, a figure that includes 29 seafarers assisted within the last 24 hours. All ports are functioning normally, and there are no reports of congestion at any location.

Existing Laws on Hate Speech; No Legislative Vacuum: Supreme Court

New Delhi : The Supreme Court has declined to intervene further in petitions filed regarding hate speech. The Court observed that laws concerning hate speech already exist and that there is no legislative vacuum in this matter. The Court made these observations while disposing of all contempt petitions. The Court stated that the enactment of laws falls entirely within the domain of the Legislature. Issues related to hate speech and the dissemination of rumors directly impact fraternity and the constitutional order. The Court noted that the Central Government may consider enacting further legislation on this subject, should it deem it appropriate. The Court observed that constitutional courts may interpret laws, but they cannot compel the Legislature to enact them. The Court reiterated that the manner in which laws are framed remains exclusively within the Legislature's jurisdiction. The field of hate speech is not unlegislated; rather, the problems stem not from the absence of laws, but from their implementation. The supervisory jurisdiction of a Magistrate also exists, and the Magistrate is vested with extensive powers. The Court clarified that

the requirement for sanction for prosecution applies at the stage of taking cognizance, not at the preceding stages. An order directing an investigation under Section 156(3) of the Code of Criminal Procedure does not constitute an order taking cognizance of the offense. The Court concluded by stating, "We decline to issue any directives regarding hate speech." It reiterated that issues concerning hate speech and the propagation of rumors directly impinge upon fraternity and the constitutional order. It remains open to the Central Government to consider, in light of societal changes, whether any legislative amendments are required.

Brief news

Daylight Robbery of 70 Lakhs in Inderpuri Solved; Four Arrested

New Delhi. The police have solved a daylight robbery involving 70 lakhs in the Inderpuri area of West Delhi and have arrested four accused individuals. From their possession, the police have recovered 53.40 lakhs in cash and the motorcycle used in the crime. The investigation revealed that the robbery was masterminded by an employee of the very company involved, who had tipped off his accomplices regarding the movement of the cash. According to the police, on March 31, 2026, at approximately 3:30 PM, two employees were transporting 70 lakhs in cash near Krishi Kunj. At that moment, three miscreants riding a motorcycle intercepted them, snatched the bag containing the cash, and fled the scene. Upon receiving the complaint, the Inderpuri Police Station registered a case and initiated an investigation. During the preliminary inquiry, the police found the incident suspicious, as the accused possessed precise information regarding the movement of the cash and the timing of the transfer. Subsequently, the police scoured CCTV footage and launched a technical investigation. The investigation revealed that the complainant's employee, Vikas, had conspired to commit the robbery in collusion with his accomplices—Mohammad Kaif, Rishi, and Saurabh (alias Bachcha). According to the Deputy Commissioner of Police, the arrested individuals have been identified as Mohammad Kaif (25), Rishi Yadav (22), Saurabh (alias Bachcha) (23), and Vikas (22). Police sources indicate that Vikas was employed in the private sector and possessed complete knowledge regarding the movement of cash. He provided this information to his accomplices, thereby facilitating the execution of the crime. Furthermore, police records indicate that criminal cases have previously been registered against two of the accused—Rishi Yadav and Saurabh. A case has been registered against Rishi at the Ranhola police station under various sections, including the POCSO Act, while a case under the Arms Act has been registered against Saurabh.

IndiGo Airlines to Resume Flights to Doha from May 1

New Delhi. The country's budget airline, IndiGo, will resume its flights to Doha starting May 1, following a suspension of services due to tensions in West Asia. In a statement issued on Wednesday, IndiGo announced that all its flights connecting various Indian cities to Doha would resume from May 1, following the reopening of airspace in certain parts of the Middle East amidst the West Asia crisis. Flights to the Middle East—including Qatar—had been temporarily suspended due to airspace closures resulting from geopolitical developments in the region. The airline stated that it would now reinstate its regular schedule of over 60 weekly flights to Doha. In compliance with current airspace conditions and guidelines issued by relevant authorities, IndiGo is resuming its regular schedule of more than 60 weekly flights to Doha from seven domestic cities: Bengaluru, Chennai, Delhi, Hyderabad, Kannur, Kochi, and Mumbai. IndiGo noted that this move underscores its commitment to providing reliable and seamless travel experiences, while prioritizing the safety and security of passengers, crew, and aircraft. This is particularly significant as Doha serves as a key global transit hub, connecting India to major international markets. The airline added that IndiGo's resumed operations would offer affordable and convenient travel options to customers traveling to this city. Customers traveling from Qatar will also be able to connect to numerous cities across India and beyond through the airline's extensive network. The company stated that customers can plan and book their travel via IndiGo's official website (www.goIndiGo.in), its mobile app, or through authorized travel partners.

JP Nadda Meets Ecuador's Foreign Minister

New Delhi. Union Minister of Health and Family Welfare, Jagat Prakash Nadda, met with Ecuador's Minister of Foreign Affairs, María Gabriela Sommerfeld Rosero, at Kartavya Bhawan on Wednesday. Sharing photographs of the meeting on 'X', the Ministry of Health stated that: The Union Minister held deliberations regarding the strong partnership between India and Ecuador and discussed enhancing bilateral health cooperation between the two nations.

International Arms Syndicate Busted; Nine Arrested

New Delhi. The Special Cell of the Delhi Police has arrested nine individuals while busting a major international arms smuggling network active across North India. The police claim that this syndicate used to procure foreign-made weapons from Pakistan—routed through the Nepal border—and supply them to criminals in Delhi-NCR and Uttar Pradesh. Shahbaz is a 'parole jumper' (an offender who has jumped parole) in a case being investigated by the National Investigation Agency (NIA), while Rehan Ansari has already been declared a 'proclaimed offender' in a separate case registered by the Special Cell. Based on technical surveillance and intelligence inputs, a series of raids were conducted across Delhi and Uttar Pradesh, which gradually unraveled the various layers of this criminal network.

How the Network's Secrets Were Uncovered: On April 14, an accused named Fardeen was apprehended in Usmanpur; a semi-automatic pistol and nine cartridges were recovered from

his possession. As the investigation progressed, it came to light that Waseem Malik—currently lodged in Rohini Jail—was also playing an active role within this network. He was formally arrested and subjected to interrogation. From his custody, authorities recovered 12 semi-automatic pistols, 39 cartridges, and tools used for the repair and modification of weapons.

Links Supplying Foreign Pistols Also Arrested: The investigation revealed that Rahil and Imran—relatives of Shahbaz Ansari—were responsible for managing the supply of foreign-made weapons across Delhi-NCR. Three foreign semi-automatic pistols were recovered from his possession.

Consignments Arrived from Pakistan via the Nepal Border: According to the Special Cell, this syndicate smuggled consignments of foreign-made weapons from Pakistan into India via the Nepal border. These weapons were then distributed through various channels to criminal gangs operating in Delhi, Western Uttar Pradesh, and the Purvanchal region. The accused maintained contact using encrypted messaging applications to evade police surveillance. Among those arrested are several individuals who already have dozens of cases registered against them involving charges such as murder, robbery, violations under the Gangster Act and Arms Act, and other serious offenses. According to the police, the network's primary handler, Shahbaz Ansari, is currently absconding; raids are being conducted across multiple states in an effort to locate and apprehend him.

Cost of Medical Treatment Declines in the Country; NSO Survey Report Released

New Delhi. The country's healthcare system has witnessed rapid improvement, and the financial burden of medical expenses on people's pockets has also eased. This fact was revealed in the report of the 80th round of the survey conducted by the National Statistical Office (NSO), released on Wednesday. According to the report, people's access to healthcare services in India has improved significantly compared to the past, and the cost of medical treatment has also decreased. According to the report, the expenditure incurred by patients in government hospitals has dropped considerably. In more than half of the cases involving hospitalization, patients had to spend, on average, only 1,100 from their own pockets. Meanwhile, Outpatient Department (OPD) services at government health centers are being provided completely free of cost in many places, offering significant relief to the common people. According to the report, the percentage of people reporting illness has risen from 6.8% to 12.2% in rural areas, while in urban areas, this figure has climbed from 9.1% to 14.9%. The utilization of government healthcare

facilities has also increased in rural India. The use of government hospitals for OPD services has risen from 28% in 2014 to 35% in 2025. Furthermore, the coverage of government health insurance schemes has expanded rapidly. Coverage in rural areas has increased from 12.9% to 45.5%, while in urban areas, it has risen from 8.9% to 31.8%. The report also notes that the cost of medical treatment for the poorer sections of society has decreased, making it evident that the impact of government schemes is being felt at the grassroots level. Significant progress has also been recorded in the field of maternal health. Institutional deliveries have now reached 95.6% in rural areas and 97.8% in urban areas.

Vande Bharat's Reach to Extend to Jammu Tawi; Rail Minister to Flag Off Service Tomorrow

New Delhi. Rail Minister Ashwini Vaishnaw will flag off the extended Srinagar–Katra Vande Bharat Express from Jammu Tawi Railway Station on Thursday. This train, which previously operated between Srinagar and Shri Mata Vaishno Devi Katra, will now run directly up to Jammu Tawi. Consequently, the country's most modern train will now directly connect to Jammu and Kashmir's largest city and major railway hub. According to the Ministry of Railways, in view of its growing popularity and passenger demand, the Vande Bharat train has been expanded from an 8-coach formation to a 20-coach formation, thereby more than doubling its seating capacity. This move is expected to alleviate pressure on waiting lists and enhance passenger convenience. Following the flag-off ceremony, the Rail Minister will also inspect the Anji Bridge and the Chenab Rail Bridge—world-class engineering marvels constructed under the Udhampur–Srinagar–Baramulla Rail Link (USBRL) project. During the winter months, when the Jammu–Srinagar National Highway often remains closed due to heavy snowfall, this

Vande Bharat train will serve as a reliable and safe alternative. Equipped with state-of-the-art technology, the train is capable of operating smoothly even in temperatures dropping as low as minus 20 degrees Celsius. This project is also expected to give a significant boost to tourism and trade within Jammu and Kashmir. While the trade of Kashmiri handicrafts, fruits, and other local produce is set to accelerate, tourists will also benefit from improved and faster travel facilities. Notably, under the USBRL project, a 272-kilometer-long railway line, 36 tunnels, and 943 bridges have been constructed—including the Chenab Rail Bridge, which is the world's highest railway arch bridge. This expansion is being regarded as another significant achievement towards the modernization of railways in Jammu and Kashmir.

Delhi Excise Scam: High Court Summons Entire Record Regarding Acquittal of Kejriwal and Others

New Delhi. The Delhi High Court has summoned the entire record from the trial court while hearing a petition challenging the order acquitting former Chief Minister Arvind Kejriwal and 22 other accused persons in the Delhi Excise Scam case. A bench comprising Justice Swarana Kanta Sharma directed that the complete record be requisitioned from the trial court through a messenger. The next hearing in the matter is scheduled for May 4. During the hearing, the Court noted that while some of the accused persons have filed their replies, others have not. The Court granted a final opportunity to those accused persons who have not yet filed their replies to do so. Representing the CBI during today's hearing were Solicitor General (SG) Tushar Mehta, along with Additional Solicitor General (ASG) S.V. Raju and D.P. Singh. In this matter, Kejriwal, Manish Sisodia, and Durgesh Pathak have decided to boycott the proceedings. All three have stated that they will not present any arguments—neither personally nor through any legal counsel. The trio wrote a letter to the High Court stating that they lack confidence in Justice Swarana Kanta Sharma and, therefore, intend to observe a 'Satyagraha' (peaceful protest). It is pertinent to

note that on April 20, Justice Swarana Kanta Sharma had rejected Kejriwal's plea seeking her recusal from hearing the CBI's petition challenging the acquittal order in the excise case. Justice Swarana Kanta Sharma had observed, "I will deliver my verdict uninfluenced by this allegation, just as I have always done throughout my 34-year judicial career." I have penned this order without being swayed by any external factors." Justice Sharma had also stated that she would issue the order in Hindi, as the arguments presented during the proceedings were also delivered in Hindi. The Court stated, "I am citing instances where Kejriwal and leaders of his party were granted relief on the very first date of hearing." The Court referred to an order in which an *ex parte* ruling was issued in Kejriwal's favor. Notably, Kejriwal had sought the recusal of Justice Swarna Kanta from the hearing, raising objections regarding her bench. Requesting Justice Swarna Kanta to recuse herself from adjudicating the matter, Kejriwal submitted that, given the manner in which the court proceedings had unfolded thus far, he no longer harbored any hope of receiving impartial justice. He contended that the Sessions Court's order had been characterized as erroneous without the opposing side having been heard. He further argued that on March 9—when the initial hearing took place before the High Court—not a single one of the 23 accused individuals was present. Only the CBI was present in court; yet, during that very first hearing—and without having heard the arguments of the opposing side—Justice Swarna Kanta remarked that, *prima facie*, the Sessions Court's order appeared to be flawed. He questioned how the Court could have arrived at such a conclusion without having summoned the case records or heard the arguments.